वर्षः 7- अंकः 135, मुंबई, मंगलवार, 18 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई एयरपोर्ट से आतंकी ARREST

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट से लश्कर ए तैयबा का एक संदिग्ध आतंकी सलीम खान गिरफ्तार किया गया है। सलीम लश्कर के मुजफ्फराबाद के कैंप में ट्रेनिंग भी ले चुका है। सलीम उत्तर प्रदेश के फतेहपुर का रहने वाला है। ये आतंकी फैजाबाद से पकड़े गए आईएसआई एजेंट आफताब का फाइनेंसर है। उसने सेना की मुखबिरी के लिए आफताब को फाइनेंस किया था। गत 11 जुलाई को पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा के लिए काम करने और हाल में छह पुलिसकर्मियों की हत्या सहित कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के आरोप में उत्तरप्रदेश के एक निवासी संदीप कुमार शर्मा उर्फ आदिल को गिरफ्तार किया गया। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुजफ्फरनगर का निवासी शर्मा लश्क ए तैयबा के मॉड्यूल का हिस्सा था जिसका पदार्फाश जम्मू कश्मीर पुलिस ने किया है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करता मालाड (प.) का Garden Bar

देवेंद्र फडनवीस
मुख्यमंत्री

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

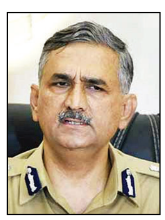

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

मंदिर और श्मशान की भी उसे नहीं परवाह

लोगों ने राज्य के प्रगतिशील युवा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, बीएमसी कमिश्नर अजोय मेहता और पुलिस कमिश्नर दत्तात्रय पडसलगिकर से गार्डेन बार पर अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है।

मुंबई। मालाड (प.) में एसवी रोड स्थित गार्डेन बार में सरकारी नियम कानूनों की खुलेआम धज्जियां उडाई जा रही हैं। इसके लिए न तो बीएमसी और न ही पुलिस अधिकारियों का ध्यान इस ओर जा रहा है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

वेंकैया होंगे एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

नई दिल्ली। एनडीए ने आने वाले उप-राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपने उम्मीदवार के तौर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री और केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री वेंकैया नायडू के नाम पर मुहर लगा दी है। भाजपा की संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद वेंकैया के नाम की औपचारिक घोषणा की गई। बैठक के बाद भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने कहा कि वेंकैया के नाम पर एनडीए के सभी सहयोगी दलों के बीच चर्चा हुई। (शेष पृष्ठ 5 पर)

वेंकैया नायडू-गोपालकृष्ण गांधी के बीच मुकाबला

उप-राष्ट्रपति को लेकर जहां एक तरफ पूरी तरह से आंकड़े सरकार के पक्ष में हैं ऐसे में हामिद अंसरी के दूसरे कार्यकाल पूरा होने के बाद नायडू देश के अगला उप-राष्ट्रपति बन सकते हैं। नायडू विपक्षी उप-राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार गोपालकृष्ण गांधी का मुकाबला करेंगे। गोपालकृष्ण गांधी को अठारह विपक्षी दलों ने अपनी ओर से उतारा है। एनडीए उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए दक्षिणी राज्य से किसी को उतारने की इच्छुक थी। रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति उम्मीदवार(उत्तर प्रदेश से प्रतिनिधित्व करते हैं) के तौर पर उतारे जाने के बाद वेंकैया नायडू इस पद के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं क्योंकि वह आंध्र प्रदेश से आते हैं, जिसका हाल में दो राज्यों में विभाजन किया गया है। इसके साथ ही नायडू का तमिलनाडु से भी संबंध है।

राष्ट्रपति कौन : फैसला 20 को

नई दिल्ली। देश के 14वें राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान खत्म हो गया है। 20 जुलाई को चुनाव के नतीजे का एलान किया जाएगा। पीएम मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने संसद में बने मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। इनके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी समेत कई केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों ने भी मतदान किया। वहीं उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी वोट डाला। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने भी अपना वोट डाला। नए राष्ट्रपति के चुनाव में एनडीए उम्मीदवार रामनाथ कोविंद और विपक्षी उम्मीदवार मीरा कुमार के बीच सीधा मुकाबला है इसके लिए कुल 32 मतदान केंद्रों पर वोट डाले गए हैं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुख्यमंत्री ने फिर की घोषणा

खेती पर आजीविका वालों का ही कर्ज माफ

मुंबई, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बार फिर दोहराया है कि कृषि कर्ज माफी का लाभ सिर्फ उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिनकी आजीविका केवल खेती पर आधारित होगी। उन्होंने यह बात रविवार को अपने साप्ताहिक प्रसारण 'मी मुख्यमंत्री बोलतोय' में कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि कर्ज माफी में 10 लाख से ज्यादा का आर्थिक लेन-देन करने वालों को कर्ज माफी न देने की शर्त इसलिए जोड़ी गई है, क्योंकि इतने लेन-देन का मतलब यही होता है कि उनके पास खेती के अलावा अन्य पूरक व्यवसाय भी हैं। उन्होंने कहा, 'सरकार किसानों को कम ब्याज पर कर्ज उपलब्ध कराने की कोशिश कर रही है। जो किसान एक लाख रुपये तक कृषि कर्ज लेते हैं, उन्हें बिना ब्याज का कर्ज

मिलता है। एक से तीन लाख रुपये तक के कर्ज पर दो प्रतिशत ब्याज देना होता है। सरकार इससे भी कम दर पर ब्याज उपलब्ध कराने की योजना पर विचार कर रही है।'

4,000 करोड़ का निवेश!

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विदर्भ, मराठवाडा और उत्तर महाराष्ट्र के करीब 15 जिलों के गांवों में खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक विशेष योजना तैयार की है। विश्व बैंक के सहयोग से संचालित होने वाली इस परियोजना में 4,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

कृषि यंत्र किराये पर

फडणवीस ने कहा कि कृषि में यंत्रों का उपयोग बढ़ाने के लिए सरकार गांवों का कलस्टर बनाकर किसान उत्पादक कंपनियां खोलने का विचार कर रही है। हर किसान के लिए हर तरह का कृषि उपकरण खरीदना संभव नहीं होता। ये कंपनियां किसानों को किराये पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराएंगी।

बन रहा है सॉफ्टवेयर

महाराष्ट्र सरकार कर्ज माफी के योग्य किसानों की सूची बनाने के लिए एक सॉफ्टवेयर विकसित करने पर काम कर रही है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य सूची बनाने में मानवीय हस्तक्षेप को कम करना और पूरी प्रक्रिया के दौरान गैरकानूनी तरीकों को रोकना है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सिर्फ जरूरतमंद किसानों को ही कर्ज माफी का लाभ मिल सके।

शराब के नशे में सिनेमा हॉल में ऐक्ट्रेस से छेड़खानी, अरेस्ट

मुंबई, मुंबई के बोरिवली इलाके के एक कारोबारी पर एक मराठी ऐक्ट्रेस से छेड़खानी का आरोप लगा है। 43 वर्षीय सुनील जानी नाम के इस कारोबारी पर महिला ने मीरा रोड के सिनेमा हॉल के अंदर शराब के नशे में धुत होकर छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। सुनील पर आरोप लगाने वाली महिला मराठी सिनेमा के जाने-माने दिवंगत अभिनेता की पत्नी हैं। महिला के पति मराठी और बॉलिवुड की फिल्मों में कॉमिडी रोल्स करने के लिए जाने जाते हैं। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि घटना के वक्त वह अपनी बेटी के साथ सिनेमा हॉल के अंदर थीं और उन्होंने उसी वक्त थिअटर के सिक्यॉरिटी गार्डों की मदद से आरोपी को अरेस्ट करवा दिया था। आरोपी पर आईपीसी की धाराओं 354 और 509 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। ये धाराएं महिला के साथ छेड़खानी और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने से जुड़ी हैं। काशीमीरा पुलिस से की गई शिकायत के मुताबिक, आरोपी के साथ तीन अन्य लोग थे और वह नशे में धुत था। महिला की शिकायत के मुताबिक, शाम 5:30 बजे जैसे ही फिल्म शुरू हुई, ग्रुप ने हंगामा करना शुरू कर दिया।

सी-लिंक की तर्ज पर बोरिवली में बनेगा केबल ब्रिज

मुंबई, बोरिवली पश्चिम से अंधेरी की ओर आने वालों के लिए खुशखबरी है। नैशनल पार्क से दहिसर की ओर स्थित पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले फडके फ्लाइओवर को विस्तार कर हाइवे पर नैशनल पार्क फ्लाइओवर के साथ उतारने की तैयारी है। सी-लिंक की तर्ज पर इसे केबल पर आधार देकर हाइवे पार कराया जाएगा। मुख्य सड़क पर इस तरह का यह पहला ब्रिज होगा। बीएमसी की ओर से इसकी जनरल ऐडमिनिस्ट्रेटिव ड्राइंग (जीएडी) तैयार की जा रही है। जिसकी मंजूरी के बाद काम आगे बढ़ेगा। महालक्ष्मी में जैकब सर्कल के पास भी इस तरह का केबल ब्रिज बनाने की तैयारी है, जो कि रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। रेलवे के कई विभागों से मंजूरी के चलते संभवत: बोरिवली के ब्रिज का काम पहले शुरू होगा।

मेट्रो भी जाएगी- दहिसर से अंधेरी तक मेट्रो-7 का निर्माण कार्य भी हाइवे के किनारे ही जोरों से शुरू है। इस ब्रिज की ऊंचाई मेट्रो के आधार पर ही तय होगी। जिससे अनुसार इसका निर्माण कार्य शुरू होगा। बीएमसी ने काम शुरू होने के 24 महीने के भीतर इसे पूरा करने का लक्ष्य है। बीएमसी सूत्रों की मानें तो इस संदर्भ में सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। मेट्रो के साथ समन्वय से काम किया

जाएगा। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मेट्रो और हाइवे के चलते हम ज्यादा खंभे नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए, हमने केबल ब्रिज बनाने का फैसला किया है।

हजारों वाहनों को राहत - बोरिवली पश्चिम में मंडपेश्वर मार्ग के यहां से हाइवे तक आने वाले इस ब्रिज के विस्तार से अंधेरी की ओर आने वाले हजारों वाहन को राहत मिलेगी। सुबह-शाम के पीक आवर्स के समय अंधेरी की ओर जाने वाले लोगों को सीधे हाइवे तक पहुंच न होने से आगे से करीब आधा किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है, जहां ब्रिज के नीचे काफी ट्रैफिक जाम की स्थिति लग जाती है। इससे करीब 15 मिनट के समय की बचत भी होगी।

अलर्ट आरपीएफ ने बचाई यात्री की जान, ट्रेन के नीचे से निकाला सही सलामत

मुंबई, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान की मुस्तैदी ने एक व्यक्ति की जान बचा ली। यह व्यक्ति ट्रेन और प्लैटफॉर्म के बीच की खाली जगह से नीचे गिर गया था। घटना शनिवार की है। कोपरकैरने के निवासी संजय कोलते (30) कुर्ला से कोपरखैरने के लिए ट्रेन पकड़ रहे थे, तभी अचानक भीड़ अधिक होने के कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और वह ट्रेन और प्लैटफॉर्म के गैप के बीच में जा गिरे। लेकिन उनकी किस्मत अच्छी थी कि आरपीएफ कॉन्स्टेबल प्रदीप गीते और एस.के कुशवाह की नजर संजय पर पड़ी। दोनों ने तुरंत संजय को खींच कर सही सलामत बाहर निकाल लिया। संजय ने बताया कि आरपीएफ जवान मेरे लिए फरिस्ता बन कर आए। अगर वे सही समय पर न आए होते तो शायद मैं बच नहीं पाता। संजय ने अपनी

गलती भी मानी कि वे चलती ट्रेन में चढ़ रहे थे। उन्होंने कहा कि चलती ट्रेन पकड़ने से अच्छा है कि 10 मिनट की देरी हो जाए। संजय बेस्ट में बतौर कंडक्टर कार्यरत हैं। बता दें कि मुंबई की लोकल ट्रेनों से हर साल 3000 से अधिक लोगों की जानें जाती हैं। रेल प्रशासन द्वारा पटरी पार न करने, चलती ट्रेन में चढ़ने की उद्घोषणाएं हमेशा से की जाती रही हैं, लेकिन यात्रियों पर इसका कोई असर नहीं देखने मिल रहा है। शायद यही वजह है कि साल दर साल लोकल की चपेट में आने से जान गवाने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। लोकल ट्रेन और प्लैटफॉर्म की बीच दूरी यात्रियों के लिए मौत की खाई बनती जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2015 में 40 यात्रियों की मौत प्लैटफॉर्म गैप के बीच में गिरने से हुई थी, जबकि 26 यात्री बुरी तरह घायल हो गए थे। वहीं वर्ष 2016 में प्लैटफॉर्म गैप में गिरकर जान गंवाने वालों की संख्या में कमी आई थी और 13 यात्रियों की मौत हुई थी, जबकि 19 यात्री इन गैपों में गिरकर घायल हुए थे। मुंबई और उपनगर में अधिकांश जगहों पर प्लैटफॉर्म और लोकल ट्रेन के बीच का गैप अधिक है। लेकिन हाईकोर्ट द्वारा आदेश दिए जाने के बावजूद प्लैटफॉर्म गैप खत्म करने काम पूरा नहीं हो सका है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मध्य रेलवे के अंतर्गत प्लैटफॉर्म गैप भरने का काम 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पश्चिम रेलवे के 360 स्टेशनों पर लगाया जाएगा अल्ट्रा फिल्टरेशन वॉटर प्यूरीफाइंग सिस्टम

मुंबई। यात्री सुविधाओं को पश्चिम रेलवे पर सर्वोपरि रखा जाता है तथा इसे सदैव प्राथमिकता देने हेतु नये उपायों की तलाश की जाती है। अपने सम्माननीय यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु रेलवे बोर्ड द्वारा बनाई गई विभिन्न नीतियों का पश्चिम रेलवे ने काफी कुशल तरीके से अनुपालन किया है तथा इसी क्रम में पश्चिम रेलवे ने नि:शुल्क पोर्टेबल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु रेलवे बोर्ड की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के स्टेशनों पर अल्ट्रा फिल्टरेशन वॉटर प्यूरीफाइंग प्लांट लगाने हेतु यस बैंक के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं। ये संयंत्र पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, अहमदाबाद, रतलाम, राजकोट तथा भावनगर के डी तथा ई श्रेणी के अंतर्गत पड़ने वाले 360 स्टेशनों पर स्थापित किये जायेंगे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविंद्र भाकर से मिली जानकारी के अनुसार अल्ट्रा फिल्टरेशन वॉटर प्यूरीफाइंग सिस्टम से लोगों को साफ तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी तथा इसकी क्षमता 100 लीटर प्रति घंटे होगी। अगले दो सप्ताहों में इनको स्थापित करने की प्रक्रिया की शुरूआत की जायेगी। यस बैंक पाँच वर्षों के लिए वार्षिक अनुरक्षण उपलब्ध करायेगी। दो महीने में एक बार इस संयंत्र का अनुरक्षण किया जायेगा। रेलवे द्वारा आवश्यकता पड़ने पर एएमसी इंजीनियर को अनुरक्षण के लिए बुलाया जायेगा। भाकर ने बताया कि वॉटर फिल्टर सिस्टम पेटेंटेड प्रमाणित तकनीक वाली होगी, जो बिना किसी रसायन या ऊर्जा के सूक्ष्म जीवाणुओं को मार देगी। टेक्सटाइल कोटिंग के वर्ल्ड पेटेंट का उपयोग हेल्थ केयर, जल परिशोधन, हॉस्पिटैलिटी, भोजन तैयार करने तथा सामरिक वेशभूषा तैयार करने में भी किया जाता है। फिल्टरेशन के लिए फिटर को विद्युत की आवश्यकता नहीं होती है तथा इसमें पानी की बर्बादी भी नहीं होती है। केवल कुछ ही मामलों में पानी को पम्प द्वारा टंकी तक पहुँचाने हेतु कम से कम विद्युत की आवश्यकता होती है।

तुअर दाल बेचने वाले 4000 किसानों पर सरकार की नजर

मुंबई। राज्य में अरहर दाल की ज्यादा पैदावार के बाद सरकार को दाल की खरीद में घपला नजर आ रहा है। यही वजह है कि राज्य सरकार उन 4000 लोगों पर अपनी नजरें गड़ाए हुए है, जिन्होंने राज्य के विभिन्न खरीदी केंद्र पर इन्हें बेचा है। कृषि मंत्रालय के प्रधान सचिव बिजय कुमार ने सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है और उन किसानों पर भी नजर रखने को कहा है जिन्होंने बड़े पैमाने पर अरहर बेची है।

अरहर की बम्पर फसल खरीदने के लिए महाराष्ट्र सरकार की योजना गड़बड़ा गई है। पिछले साल के 25 लाख 60 हजार टन के मुकाबले देश में इस साल 42 लाख 30 हजार टन अरहर का उत्पादन हुआ है। इसमें से अकेले महाराष्ट्र के किसानों ने 20 लाख टन से ज्यादा अरहर दाल पैदा की है। इस दाल को खरीदने में हो रही देरी से किसान परेशान हैं। ऐसे में सहकारिता विभाग ने अरहर बेचने वाले किसानों की जांच-पड़ताल करने का फैसला लिया है।

सरकार को शक है कि कहीं ज्यादा कमाई के लिए व्यापारी किसानों की आड़ में अपना माल सरकार को तो नहीं बेच रहे।

पुणे-हजरत निजामुद्दीन के बीच वातानुकुलित साप्ताहिक विशेष गाड़ी का विस्तार

मुंबई। यात्रियों की अतिरिक्त भीड को देखते हुए रेलवे ने पुणे-हजरत निजामुद्दीन के बीच चलने वाली साप्ताहिक वातानुकुलित विशेष गाड़ियों को और विस्तार करने का निर्णय लिया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

04417 वातानुकुलित विशेष गाडी दिनांक 20.7.2017 से 24.8.2017 तक प्रत्येक गुरूवार को पुणे से 0515 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 0535 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। 04418 वातानुकुलित विशेष गाडी दिनांक 18.7.2017 से 22.8.2017 तक प्रत्येक मंगलवार को हजरत निजामुद्दीन से 2135 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 2125 बजे पुणे पहुंचेगी। ठहरावः लोनावला, कल्याण, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम एवं कोटा। संरचनाः एक प्रथम श्रेणी एसी, 6 एसी 2-टियर, 10 एसी 3-टियर एवं एक एसी रसोई यान।

आरक्षणः गाडी क्रमांक 04417 का आरक्षण विशेष शुल्क के साथ दिनांक 18.7.2017 से सभी आरक्षण केंद्रों तथा वेबसाईट www.irctc.co.in पर 60 दिन अग्रिम अवधि के अनुसार प्रारंभ होगा।

मधुर भंडारकर को दी गई पुलिस सुरक्षा

मुंबई। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में देश में लगे लागू आपातकाल पर बनी फिल्म इंदू सरकार के विरोध में प्रदर्शन के बीच फिल्म निमार्ता मधुर भंडारकर को मुंबई पुलिस ने सुरक्षा प्रदान की है। फिल्म के प्रदर्शन से पहले प्रमोशन के लिए भंडारकर की प्रेस कांफ्रेंस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को देखते हुए, मुंबई पुलिस ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई है। फिल्म प्रमोशन के लिए बुलाई गई प्रेस कांफ्रेंस के विरोध में जिस तरह से तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता आए और इसकी वजह से प्रेस कांफ्रेंस को रद्द करना पड़ा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

अंधेरी में पुलिस को बड़ी कामयाबी
पकड़े गए चार शातिर चैन स्नेचर

मुंबई। मुंबई पुलिस को ऐसे ही नहीं स्काटलैंड यार्ड पुलिस का दर्जा प्राप्त है, यह इस मामले को देखकर समझा जा सकता है। अंधेरी पुलिस थाने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंडित थोराट के अनुसार पिछले सात जुलाई को जब अंधेरी पुलिस थाने के पुलिस उपनिरीक्षक बालाजी सानप और उनकी टीम के सदस्यों ने महिलाओं के गले से सोने की चेन खींचकर भाग जानेवाले एक कुख्यात अपराधी नईम सबदरअली अंसारी (उम्र 27 वर्ष) को अपने कब्जे में लिया। इस अपराधी ने अपना गुनाह स्वीकार करते हुए सोने के जंजीर खींचने व चोरी करने वाले अपने तीन अन्य साथियों के बारे में जानकारी दी। जानकारी मिलते ही वरिष्ठ निरीक्षक (क्राइम) राजेश पाडवी, पुलिस उपनिरीक्षक बालाजी सानप, नागनाथ बनसोडे की टीम ने भारी मशक्कत के बाद शोएब उर्फ अब्दुल समद

हमीद हमदारे (28), जाफर मेहमूद खान उर्फ चिकना उर्फ देशमुख (38), धीरज जोगेंद्र कनोजिया (30) को गिरफ्तार किया। पकड़े गए इन चारों अपराधियों पर मुंबई के विभिन्न पुलिस थानों में सोने की चेन खींचने, बैग छीनकर भागने व चोरी के कुल 128 मामले दर्ज हैं। एक सौ ग्राम सोना व एक मोटर साइकिल भी बरामद की गई। इन चारों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त परिमंडल-10, मुंबई नविनचंद्र रेडडी, सहायक पुलिस आयुक्त, अंधेरी विभाग, मुंबई अंबादास पवार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, अंधेरी पुलिस थाने पंडित थोरात के मार्गदर्शन में की गई। अंधेरी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंडित थोरात ने लोगों से चैन स्नेचरों से सावधान रहने की अपील की है। इसके लिए उन्होंने हेल्पलाईन नंबर 100, 103 अथवा 022-26831562 पर सूचना देने की अपील भी की है।

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चेतने का वक्त

संसद के मानसून सत्र के पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह एक बार फिर गोरक्षा के नाम पर हो रही हिंसा रोकने की जरूरत जताई उस पर राज्य सरकारों को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। हालांकि प्रधानमंत्री ने पिछले माह ही गोरक्षा के नाम पर हो रही अराजकता पर अपनी सख्त नाराजगी जताई थी, लेकिन ऐसा लगता है कि राज्य सरकारों ने अपनी जिम्मेदारी का पालन करना जरूरी नहीं समझा। शायद ही कोई ऐसी राज्य सरकार रही हो जिसकी ओर से पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को ऐसे कोई आदेश-निर्देश दिए गए हों कि गोरक्षा के नाम पर हिंसा का सहारा ले रहे तत्वों पर लगाम लगाई जाए। कम से कम अब तो राज्य सरकारों को चेतना ही चाहिए, क्योंकि कानून एवं व्यवस्था पूरी तौर पर उनके अधिकार क्षेत्र का विषय है और वे अपने इस अधिकार को लेकर मुखर भी रहती हैं। भाजपा शासित राज्य सरकारों को अराजक गोरक्षकों पर लगाम लगाने के मामले में कहीं अधिक तत्परता दिखानी होगी, क्योंकि ऐसे तत्वों की हिंसा से सबसे ज्यादा बदनामी भाजपा की ही हो रही है। पता नहीं क्यों भाजपा शासित राज्य सरकारें यह समझने से इन्कार कर रही हैं कि किस तरह गोरक्षा के नाम पर हो रही हिंसा की घटनाओं का उल्लेख करके केंद्र सरकार को भी बदनाम किया जा रहा है? चूंकि राज्य सरकारें न तो गोरक्षा संबंधी कानूनों के पालन के प्रति सतर्क नजर आती हैं और न ही गाय के नाम पर हिंसा का सहारा लेने वाले तत्वों पर अंकुश लगाने को लेकर इसलिए बेहतर होगा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के जरिये खुद केंद्र सरकार ऐसी घटनाओं पर नजर रखे और संबंधित राज्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे। गाय के नाम पर हो रही हिंसक घटनाओं के मामले में इस तर्क की आड़ नहीं ली जानी चाहिए कि पहले भी ऐसी घटनाएं होती रही हैं। निःसंदेह यह सही है, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं कि जैसा पहले होता रहा है वैसा अभी भी होने दिया जाए। राज्य सरकारें इसकी अनदेखी नहीं कर सकतीं कि आज स्थिति यह है कि गायों के व्यापारी भी आशंकाओं से घिरे हैं और वे लोग भी जो मृत पशुओं को दफनाने अथवा उनकी खाल उतारने का काम करते हैं। गोरक्षा के नाम पर यह भी ठीक नहीं कि अवैध बूचड़खानों पर तो सख्ती की जाए, लेकिन इसकी चिंता न की जाए कि वे सही तरह संचालित हों। निश्चित रूप से अवैध बूचड़खाने कहीं पर भी नहीं चलने चाहिए, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि नए बूचड़खाने खोलने की अनुमति देना ही बंद कर दिया जाए। उत्तर प्रदेश में कुछ ऐसी ही स्थिति है। गाय के नाम पर हो रही हिंसा के मामले में राज्य सरकारों को जितना सचेत एवं सक्रिय होने की आवश्यकता है उतना ही गोरक्षा से जुड़े संगठनों और विभिन्न हिंदू समूहों को भी। उन्हें अपने बीच के ऐसे तत्वों पर निगाह रखनी चाहिए जो गाय के नाम पर कानून हाथ में लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। यदि कोई गोरक्षा के नाम पर हिंसा का सहारा लेता है तो इसका सीधा मतलब है कि उसका उन संस्कारों और विचारों से कहीं कोई मतलब नहीं जो गोरक्षा की भावना का आधार माने जाते हैं। चूंकि प्रधानमंत्री का यह कथन सही ही नजर आता है कि गोरक्षा की आड़ में कुछ असामाजिक तत्व सक्रिय हैं इसलिए इसका कोई मतलब नहीं कि राज्य सरकार ऐसे तत्वों के प्रति आंखें फेरे रहें।

सुविचार

परिवार वह सुरक्षा कवच है, जिसमें रहकर व्यक्ति शांति का अनुभव करता है।

तोड़ती नहीं जोड़ती है हिंदी

प्रकृति सदा से है। संस्कृति मनुष्य का सचेत सृजन कर्म है। सृजन कर्म की सबसे बड़ी उपलब्धि है भाषा। भाषा संवाद का माध्यम बनी और प्रीतिपूर्ण समाज का विकास हुआ। भारत बहुभाषिक राष्ट्र है, लेकिन बहुभाषिकता सांस्कृतिक एकता में बाधक नहीं रही। अमेरिकी विद्वान एमेन्यू ने भारत को एक भाषी क्षेत्र स्वीकार किया है। सुब्रमण्यम भारती प्रख्यात तमिल कवि थे। उनकी जन्मशताब्दी (1982) पर भारती की चुनिंदा रचनाओं का हिंदी अनुवाद छपा था। एक कविता में भारत माता की उपासना है ह्यबोले 18 भाषाएं वह/किंतु एक चिंतन एक ध्यान है। भारती ने अंग्रेजी की आलोचना की थी। भारत एक सांस्कृतिक इकाई है। हिंदी, संस्कृत, कन्नड़ या तमिल आदि भाषाएं एक ही राष्ट्रभाव को प्रकट करने का माध्यम हैं। संविधान सभा में तमिलनाडु और कर्नाटक के भी सदस्य थे। अधिकांश सदस्य हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के समर्थक थे। बावजूद इसके तमिलनाडु व कर्नाटक के कुछ दल व संगठन केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने का घटिया आरोप लगा रहे हैं। कर्नाटक के कर्नाटक राक्षणा वेदिके, राज ठाकरे की मनसे, तमिलनाडु की डीएमके सहित ओडिशा व केरल के कुछ संगठनों ने बेंगलुरु में बैठक की है और हिंदी प्रसार को क्षेत्रीय संस्कृतियां नष्ट करने का अभियान बताया है।

कर्नाटक विकास की दौड़ में प्रगति पर है ही, तमिलनाडु भी विकास कर रहा है। आइटी के क्षेत्र में बेंगलुरु का नाम चर्चित है। यह हिंदी भाषी नौजवानों से भरापूरा है। बेंगलुरु में मेट्रो स्टेशनों पर हिंदी में लिखे नामपट्टों को हिंदी थोपने की साजिश बताया जा रहा है। नीट, सीबीएसई और जीएसटी आदि के बहाने केंद्र पर राज्य के अधिकार कम करने के आरोप भी लगाए गए हैं। तमिलनाडु में डीएमके के कार्यवाहक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने इसे चोरी छिपे हिंदी थोपने की साजिश कहा है। उनका आरोप है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तमिल भावनाओं का सम्मान नहीं करती। एमडीएमके प्रमुख वाइको ने केंद्र को नए हिंदी विरोधी आंदोलन की चेतावनी दी है। संविधान में हिंदी संघ की राजभाषा है। इसलिए क्षेत्रीय राजनीति की मांगें निंदनीय हैं।

भारत में 100 करोड़ से ज्यादा हिंदी भाषी हैं। भारत के बाहर नेपाल, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, ओमान, दुबई, सऊदी अरब, फिजी, म्यांमार, रूस, कतर, फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका में भी लाखों हिंदी भाषी हैं। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में हिंदी फिल्मों व टीवी धारावाहिकों का बड़ा दर्शक समुदाय है। दक्षिण भारतीय राज्यों में भी हिंदी का चलन है, लेकिन भाषाई राजनीति की मांगें संकीर्ण हैं। उन्होंने राष्ट्रभाषा प्रसार को राज्यों के अधिकार छीनने वाला कृत्य कहा है। आरोप है कि केंद्र एक देश, एक धर्म, एक भाषा और एक टैक्स व हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान के विचार लागू कर रहा है। सच यह है कि तमिल या कन्नड़ से हिंदी का कोई बैर नहीं। भारतीय भाषाएं अपनी ही हैं। तमिल या कर्नाटक में राजभाषा हिंदी भी चलेगी तो राष्ट्रीय एकता के बंधन और भी मजबूत होंगे। हिंदी सबको जोड़ने का रससूत्र क्यों नहीं बन सकती, लेकिन हिंदी भाषी भी पूर्ण सजग नहीं जान पड़ते। उत्तर भारत में हिंदी की ही तमाम बोलियों को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग उठती है। बिहार सरकार ने भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में लाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजना तय किया है। भोजपुरी हिंदी का ही प्रेमपूर्ण हिस्सा है। मधुरस भीगी भोजपुरी के बिना हिंदी रसहीन होगी। अवधी या ब्रज को महत्व देने वाले भी ऐसी ही मांग करें तो राजभाषा हिंदी का गौरव अक्षुण्ण कैसे रह सकता है? इस प्रश्न का उत्तर हिंदी भाषियों को ही देना है। संविधान सभा ने लंबी बहस के बाद 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा बनाया था। 15 वर्ष तक अंग्रेजी में ही राजकाज चलाने का प्रावधान भी किया। राजभाषा आयोग बनाने की भी व्यवस्था की गई। इस आयोग को भारत संघ के सरकारी कामकाज के लिए हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग और अंग्रेजी के प्रयोग पर रोक आदि के लिए सिफारिश का दायित्व मिला। संविधान (अनुच्छेद 351) में हिंदी का विकास केंद्र का कर्तव्य बताया गया है कि वह हिंदी का प्रसार बढ़ाए। उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिंदुस्तानी और आठवीं अनुसूची में दर्ज अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात कर शब्द भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द लेकर हिंदी को समृद्ध करे। हिंदी की समृद्धि और पूरे देश में प्रसार केंद्र का संवैधानिक कर्तव्य है। क्या केंद्र कुछेक संगठनों या राजनीतिक दलों के दबाव में अपना संवैधानिक कर्तव्य छोड़ दे? राजभाषा विरोधी दल या संगठन आखिरकार संविधान का पालन क्यों नहीं करते?

संविधान सभा ने हिंदी को यों ही राजभाषा नहीं बनाया। एनजी आयंगर ने सभा (12.9.1949) में कहा, हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। ...यद्यपि शासकीय प्रयोजनों के लिए हमने हिंदी को अभिज्ञात किया है। पंडित नेहरू ने कहा, हमने अंग्रेजी इसलिए स्वीकार की कि वह विजेता की भाषा थी। ...अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो, किंतु हम इसे सहन नहीं कर सकते। 1947 तक अंग्रेजी विजेता की भाषा थी। विजेता अंग्रेज पराजित हो गए। फिर हिंदी विजेता की भाषा क्यों नहीं बनी? संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था, हमने संविधान में एक भाषा रखी है। अंग्रेजी के स्थान पर एक भारतीय भाषा (हिंदी) को अपनाया है। हमारी परंपराएं एक हैं। संस्कृति एक है। भारतीय भाषाओं से हिंदी का कोई विरोध नहीं। सारी भाषाएं और बोलियां भारत की बहुभाषिकता का श्रृंगार हैं। अंग्रेजी भाषा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम के सामने कहीं नहीं टिकती। अपनी भाषाएं भारतीय संवाद का माध्यम हैं। राजभाषा के प्रश्न को क्षेत्रीय अस्मिता से जोड़ना असंवैधानिक है और राष्ट्रीय एकता का विध्वंसक भी। हिंदी का क्षेत्र अपने उपयोगिता मूल्य के कारण ही बढ़ा है। फारसी या अंग्रेजी की तरह उसे राज्याश्रय नहीं मिला। बादशाह फारसी चाहते थे, लेकिन अरबी फारसी के अनेक विद्वानों ने भारत की भाषाई पहचान के लिए हिंदी शब्द का ही प्रयोग किया था। अमीर खुसरो ने इसे हिंदवी या हिंदुवी कहा। ईस्ट इंडिया कंपनी हिंदी की उपयोगिता से परिचित थी। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एक पत्रक (29.9.1830) में कहा था, प्रयुक्त भाषा को वादी, प्रतिवादी, वकील और सामान्यजन भी जानें। ऐसी भाषा हिंदी थी। स्वाधीनता आंदोलन की भाषा हिंदी थी। गांधी जी ने एक अखिल भारतीय भाषा सम्मेलन (1916) में कहा, ह्यमेरी हिंदी टूटी-फूटी है। अंग्रेजी बोलने में मुझे पाप लगता है।

वायसराय से भी हिंदी में ही बात करो।ह्य 1937 में सी राजगोपालाचारी के नेतृत्व वाली मद्रास प्रेसिडेंसी की सरकार ने हिंदी पढ़ाने का आदेश दिया था। इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर आंदोलन भी चला। मद्रास के गवर्नर अर्सकिन ने इस आदेश को वापस लिया था। 1965 तक चले हिंदी विरोधी आंदोलन में भी अंग्रेजी को महत्व दिया गया था। तबसे देश ने तमाम प्रगति की है। हिंदी पूरे देश में फैल चुकी है। भाजपा या केंद्र को कोसने के और बहाने भी हो सकते हैं। कृपया संवैधानिक राजभाषा को संकीर्ण राजनीति का मुद्दा न बनाएं।

प्रशासन भी जिम्मेदार

बाबा अमरनाथ के दर्शनों के लिए जा रही श्रद्धालुओं की बस के रामबन के निकट गहरी खाई में गिरने से 16 लोगों की मौत और 28 के घायल होने की घटना दुखद है। श्रद्धालुओं का काफिला सुबह जम्मू के आधार शिविर से निकला तो था, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश होने की सूरत में यात्रा दो घंटे के लिए नगरोटा में रोकी गई और फिर रवाना कर दिया गया। हद तो यह है कि जब प्रशासन को मालूम था कि तीन सौ किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के रामबन सहित कई इलाकों में शनिवार रात से ही बारिश हो रही है तो ऐसे में यात्रा को स्थगित किया जा सकता था। यात्रा प्रबंधन में लगे अधिकारियों ने भी उनकी जान की परवाह न करते हुए जत्थे को रवाना कर दिया। इससे जाहिर होता है कि पुलिस से लेकर प्रशासन तक यात्रा को लेकर गंभीर नहीं है। अधिकारियों की भूमिका केवल इलाके के थानेदार जैसी हो गई है कि अपने इलाके से यात्रा को निकाल दिया जाए, रास्ते में जो होगा वह श्रद्धालुओं की किस्मत पर। जिसका डर था वही हुआ। श्रद्धालुओं की बस रामबन जिले के नाचिलाना क्षेत्र में पहुंची तो बारिश के कारण पहले से नरम हुई कच्ची सड़क धंस गई। इससे बस का पिछला हिस्सा भी मिट्टी में धंस गया और बस मलबे के साथ गहरी खाई में जा गिरी। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि बस का पिछला टायर पंक्चर हो गया और गहरी खाई में जा गिरी। लेकिन बस के पिछले हिस्से में चार पहिए होते हैं, अगर एक पहिए का टायर पंक्चर हो भी जाए तो साथ में जुड़ा दूसरा टायर से भी बस को ड्राइवर किसी सुरक्षित जगह ले जाकर खड़ा कर सकता है। अमरनाथ यात्रा मार्ग पर मौसम विभाग पल-पल की खबर प्रशासन को देता रहता है, लेकिन सैकड़ों की संख्या में प्रशासनिक अधिकारी यात्रा को सुचारू बनाने में लगे हुए हैं, तो क्या उन्हें श्रद्धालुओं के जत्थे को भेजने से पहले यह तय कर लेना सही नहीं था कि रामबन से आगे बनिहाल तक रास्ता बारिश से खराब हो चुका है। ऐसी सूरत में यात्रा को स्थगित किया जा सकता था। जम्मू श्रीनगर राजमार्ग पर्वतीय श्रृंखला हिमालयन फुट हिल्स का हिस्सा है और ये पहाड़ भी नरम चट्टानों से बने हुए हैं। सरकार को चाहिए कि वह इन मार्गों की दशा को सुधारे।

मुंबई को पानी की सप्लाइ करने वाली झीलें 66 फीसदी भरीं

मुंबई। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश मुंबई के लिए अच्छी खबर लाई है। जिन 7 झीलों से मुंबई को पानी की आपूर्ति की जाती है, वे रविवार सुबह तक अपनी कुल क्षमता का 66 फीसदी भर गई हैं। मोदक सागर पूरा भर गया है और यहां से पानी बाहर बह रहा है। इसके कारण तानसा झील भी पूरी तरह भरने के कगार पर है। तानसा में पानी आपूर्ति का कुल स्तर 128.6 मीटर है। रविवार सुबह इस झील में पानी पूरी तरह भरने से चंद मीटर ही कम था। यहां अभी भी बारिश हो रही है। मोदक सागर से रोजाना करीब 10 लाख 28 हजार लीटर पानी मुंबई को भेजा जाता है। शनिवार को ही यह पूरा भर गया था और पानी बाहर निकलने लगा। प्रशासन के मुताबिक, सभी 7 झीलों की

कुल क्षमता करीब साढ़े 14 खरब लीटर है। अभी तक हुई बारिश के कारण झीलों में कुल क्षमता का 66 फीसद से ज्यादा पानी भर चुका है। पिछले साल इसी समय झीलों में पानी की कुल मात्रा कुल क्षमता का लगभग 48 फीसदी ही थी। इससे पहले 2015 में 16 जुलाई तक यहां केवल 19.6 फीसद पानी ही भर पाया था। उस साल काफी कम बारिश हुई थी। इसी वजह से मुंबई नगरपालिका को करीब एक साल तक पानी की सप्लाइ में 20 प्रतिशत तक की कटौती करनी पड़ी थी। नगरपालिका प्रशासन हर सुबह झील में मौजूद पानी के स्तर की जांच करता है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई शहर को हर दिन 30 लाख 750 लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में झीलों के अंदर सितंबर के अंत तक की खपत के लिए पर्याप्त पानी है। इसके बाद बीएमसी आगे की अपनी रणनीति तय करेगा। पानी की उपलब्धता के हिसाब से शहर को की जाने वाली पानी की सप्लाइ पर फैसला लिया जाएगा। अगर सितंबर के अंत तक झीलें पूरी तरह भर जाती हैं, तो मुंबई शहर को अगले साल जून तक पानी की कोई कमी नहीं होगी। जिन 7 झीलों पर मुंबई शहर को पानी सप्लाइ करने की जिम्मेदारी है, उनमें से 5 नासिक और उसके आसपास के जिलों में हैं। बाकी दो झीलें मुंबई में हैं और इनमें पानी की मात्रा पिछले साल की तुलना में कम है।

घर लौट रही महिला से दुष्कर्म

मुंबई। महाराष्ट्र के लातूर जिले के उदगिर में एक 40 वर्षीय महिला को अगवा कर यौन शोषण का मामला सामने आया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि, 13 जुलाई को साहू चौक से शेल्हल रोड के बीच ये घटना हुई जब महिला एक अस्पताल से वापस ऑटो रिक्शा से अपने घर लौट रही थी। थोड़ी दूर चलने के बाद तीन लोग ऑटो रिक्शा रुकवाकर उसमें बैठ गए और चालक को गांव से बाहर ले चलने का दबाव बनाया। गांव से बाहर पहुंचने पर आरोपियों ने ऑटो चालक को धमकी देकर वहां से भाग जाने को कहा।

ऑटो चालक ने अपने शिकायत में ये बातें कहीं। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के अनुसार, उन आरोपियों ने महिला के हाथ-पांव बांध दिए और उसका शोषण करने लगे। उनमें से एक ने उसके प्राइवेट पार्ट में पत्थर डालने की कोशिश की और दूसरा पीडिता के उपर पेशाब करने लगा। घटना के बाद महिला को उदगिर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसके बाद उसे लातूर भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 डी (सामूहिक बलात्कार), 367 (अपहरण), 354 ए (2) (यौन उत्पीड़न) और 355 (व्यक्ति का अपमान करने के इरादे से आक्रमण या आपराधिक बल, अन्यथा गंभीर यातना के साथ) मामला दर्ज किया गया। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी अनिकेत भारती ने कहा, हमने आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच व तलाशी अभियान शुरू किया है। पुलिस ने यह भी बताया कि वे घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है।

नांदेड़-मुंबई, शिर्डी-मुंबई के बीच हवाई सेवाओं में देरी

मुंबई। नांदेड़ से मुंबई और शिर्डी से मुंबई के बीच हवाई सेवाओं की शुरूआत जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू की जानी थी, लेकिन नांदेड़ एयरपोर्ट के रनवे का मरम्मत कार्य पूरा न होने और शिर्डी-मुंबई हवाई सेवा के लिए लाइसेंस न मिलने से महाराष्ट्र में रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) अधर में लटक गई है। राष्ट्रीय हवाई सेवाओं में बढ़ोतरी हो इसके लिए एवीएशन मंत्रालय द्वारा (आरसीएस) स्कीम की शुरूआत की थी। इसके तहत महाराष्ट्र में मुंबई एयरपोर्ट को नांदेड़ और शिर्डी से जोड़ने का निर्णय लिया गया था। शिर्डी से मुंबई एयरपोर्ट के लिए हवाई सेवा की शुरूआत जुलाई के पहले सप्ताह में की जानी थी। अन्य सरकारी योजनाओं की तरह यह योजना भी अधर में लटक गई है। शिर्डी से मुंबई के हवाई सेवा शुरू करने के लिए फ्लाइंग लाइसेंस की जरूरत थी जो अब तक नहीं मिल पाया है। ट्रू-जेट का कहना है कि सितंबर से मुंबई-शिर्डी के बीच हवाई सेवा की शुरूआत की जाएगी। ज्ञात हो कि ट्रू-जेट एविएशन कंपनी नांदेड़ से हैदराबाद के बीच हवाई सेवा दे रही है। यह मार्ग मुंबई एयरपोर्ट तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया था। हालांकि ट्रू-जेट प्रबंधन का कहना है हमें एयरपोर्ट प्रबंधन ने आश्वासन दिया था कि हम जून तक निर्माण कार्य पूरा कर लेंगे। निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है इसलिए हम मुंबई-नांदेड़ हवाई सेवा के प्लान को रद्द करने का निर्णय लिया है।

आरसीएस के तहत चलाई जानी थी 8 सेवाएं

छत्रपति शिवाजी इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने रीजनल कनेक्टिविटी के तह 8 हवाई सेवाएं चलाने का प्रस्ताव दिया था। मुंबई-नांदेड़ की हवाई सेवा रने वे मरम्मत के बाद शुरू की जाएगी। शिर्डी -मुंबई के लिए हवाई सेवा सितंबर में शुरू करने का जानकारी एविएशन सूत्रों ने दी है। जल्द ही डीजीसीए द्वारा एयरपोर्ट को उड़ान भर सकने का लाइसेंस दिया जाएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

हिंदू आस्था के साथ करता मालाड (प.) का...

मालाड पुलिस थाना के अंतर्गत आने वाले इस गार्डन बार के बारे में कहा जाता है कि यहां शराब और कबाब के साथ-साथ शबाब का भी भरपूर इंतेजाम है। गार्डेन बार के प्रबंधक का कहना है कि जबतक स्थानीय बीएमसी और पुलिस अधिकारियों का संरक्षण हमें प्राप्त है गार्डेन बार को बंद कराने की बात कोई सोच भी नहीं सकता। भले ही बार के बगल में मंदिर और श्मशान भूमि हो। उसकी इस बात से हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेंस लगना लाजिमी है। इससे भविष्य में किसी अनहोनी की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने राज्य के प्रगतिशील युवा मुख्यमंत्री देवेंन्द्र फडनवीस, बीएमसी कमिश्नर अजोय मेहता और पुलिस कमिश्नर दत्तात्रय पडसलगिकर से गार्डेन बार पर अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है। कई वर्षों से अपनी सेवा से ग्राहकों को खुश करने के साथ ही स्थानीय मनपा और पुलिस अधिकारियों को भी खुश करने में लगा है। क्यों और कैसे, जब इस बात की पूरी जानकारी जब इस संवाददाता ने निकाली तो कई हैरानी की बात सामने आई। पहली बात तो यह कि मालाड (प.) में मालाड पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एसवी रोड स्थित गार्डेन बार में सरकारी नियम कानूनों की धज्जियां ऐसे उडाई जाती है कि मानों इसके मालिक संचालक और प्राबंधक को किसी कोई डर नहीं, चाहे वे राज्य के मुख्यमंत्री हो, बीएमसी कमिश्नर हो या पुलिस कमिश्नर। गार्डेन बार स्थिति यह है कि यह निर्धारित समय से बीती रात तक पूरी तरह से गुलजार रहता है। ग्राहकों से भरे इस बार में बार डांसर अपनी उत्तेजक और लुभावनी अदाओं से अपना जलवा बिखेरती हैं और ग्राहकों को जिस्मफरोशी के लिए खुलेआम उकसाती हैं।

जब ग्राहक पट जाता है तब वे उसे लेकर बार मालिक संचालक और प्राबंधक के इशारे पर वहां से निकल जाती हैं। धूम्रपान पर पाबंदी के बाद भी यहां सिगरेट ऐसे फूंके जाते हैं कि इसके धूंए से पूरा वातावरण विषाक्त हो जाता है। इस तरह यहां नियम की धज्जियां उडती साफ देखी जा सकती हैं। इसके बीच बार बालाएं बीती रात तक थिरकती रहती हैं और इस दौरान वे अपने अंगों का प्रदर्शन भी खूब करती हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी बताया कि ग्राहकों के साथ निकली बार बालाएं बगल में मंदिर और श्मशान भूमि में भी नजर आती हैं। सरकारी नियम के अनुसार किसी को भी बार के धंधे के लिए लायसेंस तभी दिया जाता है जब उसके 100 मीटर के दायरे में न तो कोई धार्मिक स्थल हो, न ही श्मशान भूमि व कब्रिस्तान हो और न स्कूल या कॉलेज हो। लेकिन गार्डेन बार को देखने से यह पता चलता है कि इस बार को लायसेंस देने में कानून पूरी तरह से उल्लघंन किया गया है। सूत्रों ने बताया कि लायसेंस पाने के लिए गार्डेन बार के मालिक ने पहले स्थानीय बीएमसी और पुलिस अधिकारियों को रिश्वत में मोटी रकम दी है। इसके बाद ही गार्डेन बार गुलजार हुआ और मंदिर व श्मशान भूमि के 100 मीटर के दायरे में आने के बावजूद यह आजतक चल रहा है। लोगों का प्रश्न है कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है, बीएमसी, पुलिस महकमा अथवा सामाजिक कार्यों से सरोकार रखने वाली संस्थाएं! इन लोगों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, मनपा आयुक्त अजोय मेहता और पुलिस आयुक्त से इस मामले की जांच कराकर गार्डेन बार के खिलाफ कडी कार्रवाई करते हुए इसे बंद कराने की मांग की है।

मुंबई एयरपोर्ट से...

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के निवासी मुनीब शाह को भी गिरफ्तार किया गया है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक मुनीर खान ने संवाददाताओं से कहा, 'हमने दक्षिण कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े अपराधों समेत सिलसिलेवार सनसनीखेज अपराधों में संलिप्त रहे एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उत्तर प्रदेश स्थित मुजफ्फरनगर के निवासी संदीप कुमार शर्मा उर्फ आदिल और दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के निवासी मुनीब शाह को गिरफ्तार किया गया है।' उन्होंने कहा कि संदीप की गिरफ्तारी आपराधिकता और आतंकवाद के बीच धुंधलाती रेखाओं को दिखाती है। लश्कर-ए-तैयबा शर्मा का अकसर इस्तेमाल करता था और वह इस बात का पूरा फायदा उठा रहा था कि वह यहां का स्थानीय व्यक्ति नहीं है।

वेंकैया होंगे एनडीए के उपराष्ट्रपति पद...

भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि नायडु मंगलवार को सुबह ग्यारह बजे अपना नामांकन दाखिल करेंगे। उपराष्ट्रपति के पद के लिए नायडु के नाम का एलान होने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि मैं वेंकैया नायडु को काफी सालों से जानता हूं। उनके कठिन परिश्रम और तप की हमेशा तारीफ की है। उपराष्ट्रपति के लिए बे-हद उपयुक्त उम्मीदवार हैं। वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु ने कहा कि अनुभवी वेंकैया नायडु सभी तरीके से उपराष्ट्रपति पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार हैं। मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक किसान का बेटा देश का अगला उपराष्ट्रपति बनेगा। वेंकैया जी सर्पपित व्यक्ति हैं।

राष्ट्रपति कौन :...

वहीं अलग-अलग राज्यों के विधानसभाओं में मुख्यमंत्रियों और विधायकों ने भी अपना वोट डाला। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमन सिंह ने अपने-अपने राज्य में वोट डाला। त्रिपुरा टीएमसी अध्यक्ष आशीष साहा ने कहा, 'दिल्ली में बैठकर सीपीएम के साथ एकजुट होकर मीरा का सपोर्ट करने को तैयार हो गए। हम उनका साथ नहीं देंगे जो सीपीएम का समर्थन करेगा। हम एनडीए उम्मीदवार को वोट करेंगे, जो सीपीएम के खिलाफ है।

सीमा पर किसी भी नापाक हरकत का करारा जवाब देंगे : ले. जनरल भट्ट

भारत ने पाकिस्तान को साफ शब्दों में बता दिया कि सीमा पर उसकी हर नापाक हरकत का करारा जवाब दिया जायेगा। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने आज सुबह भारत के सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल ए के भट्ट के साथ बिना किसी निर्धारित वार्ता के हॉटलाइन पर बात की। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अथमुकम सेक्टर में भारतीय सेना की फायरिंग में पाकिस्तान के चार सैनिकों के मारे जाने का मुद्दा उठाया। यह सेक्टर जम्मू -कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन

सेक्टर के सामने है। लेफ्टिनेंट जनरल भट्ट ने जोर देकर कहा कि संघर्ष विराम उल्लंघन की सभी घटनाएं पाकिस्तान की ओर से की गयी हैं और भारत ने जो भी कार्रवाई की है, वह इसके जवाब में ही की है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान की चौकियों के पास से हथियारबंद घुसपैठियों की घुसपैठ की कोशिशों के खिलाफ भी कार्रवाई की है। भारतीय सैन्य संचालन महानिदेशक ने यह भी स्पष्ट किया कि नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की अग्रिम चौकियों से फायरिंग की आड़ में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं जिससे नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता की स्थिति गड़बड़ाई है। पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सैनिकों को निशाना बनाये जाने की घटनाओं का निरंतर जारी रहना इसका प्रमाण है। लेफ्टिनेंट जनरल भट्ट ने साफ कहा कि भारतीय सेना नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाये रखने की पक्षधर है लेकिन वह पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन की घटनाओं और उसकी हर नापाक हरकत का करारा जवाब देने से पीछे नहीं हटेगी।

PM मोदी का सिर्फ एक फूल से करे स्वागत, गुलदस्ते से नहीं

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक आदेश जारी किया है की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में गुलदस्ता भेंट नहीं किया जायेगा। गृह मंत्रालय ने ये आदेश सभी राज्यों के लिए जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने इस आदेश में ये भी कहा है कि अगर प्रधानमंत्री के स्वागत में खादी के रुमाल में रखा एक फूल का इस्तमाल किया जाये और उन्हें दिया जाए तो बेहतर होगा , या फिर कोई किताब भी प्रधानमंत्री को भेंट की जा सकती है। गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिव और संघशासित क्षेत्र के प्रशासकों को भेजे पत्र में प्रधानमंत्री के स्वागत संबंधी उनके अनुरोध का पालन करने को कहा गया है। इससे पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से शुभकामनास्वरूप पुष्प गुच्छ देने के बजाय पुस्तक

भेंट करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि पढ़ने से ज्यादा आनंद किसी और काम में नहीं आता और ज्ञान से बड़ी कोई ताकत नहीं होती है।

बार्डर पर चीनी सेना ने किया सैन्य अभ्यास

चीन की सेना ने तिब्बत में सैन्य अभ्यास किया । सिक्किम सेक्टर के डोकालाम क्षेत्र में भारतीय और चीनी सेना के बीच जारी गतिरोध की पृष्ठभूमि में यह अभ्यास हुआ है। चीनी सेना ने दुश्मन देश के एयरक्राफ्ट को नष्ट करने का अभ्यास किया। सैन्य अभ्यास के समय की जानकारी दिये बगैर चीन के सरकारी टेलीविजन सीसीटीवी ने अपनी खबर में कहा कि पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने दक्षिण-पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में गोली चलाने का अभ्यास किया। रिपोर्ट में ये साफ नहीं है कि चीनी सेना ने ये युद्धाभ्यास कब किया। सिक्किम स्थित डोक ला इलाके में जून के पहले हफ्ते से दोनों देशों के बीच गतिरोध जारी है। चीन भूटान के डोकलाम इलाके में सड़ बना रहा था जिसका भूटान और भारत ने विरोध किया। चीन इस इलाके को अपना डोकलांग इलाका बताता है।

ताजा ड्रिल में तिब्बत स्थित सैन्य कमांड और चीन की प्लाटी माउंटेन ब्रिगेड शामिल हुए

चीनी के सरकारी चैनल सीसीटीवी के अनुसार देश की पीपल्स लिबरेशन आर्टी (पीएलए) ने ताजा ड्रिल की जिसमें तिब्बत स्थित सैन्य कमांड और चीन की प्लाटी माउंटेन ब्रिगेड शामिल हुए। चीन भारत के अरुणचाल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत बताता रहा है। तिब्बत के धार्मिक नेता दलाई लामा तिब्बत को अलग देश बताते रहे हैं और उसे चीन से आजाद कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करते रहे हैं। चीनी मीडिया के अनुसार चीनी सेना ने ताजा ड्रिल यारलंग झांगबो नदी के किनारे किया जो ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी धारा पर स्थित है। ब्रह्मपुत्र नदी चीन, भारत और बांग्लादेश में प्रवाहित होती है।

चीन की माउंटेन ब्रिगेड लम्बे समय से तैनात

यारलंग झांगबो नदी अरुणाचल प्रदेश से भारत में सियांग नदी के रूप में प्रवेश करती है और आगे चलकर असम की ब्रह्मपुत्र नदी बन जाती है। चीन इस नदी की ऊपरी धारा पर बांध बना रहा है जिसके प्रति भारत अपनी चिंता जता चुका है। इस इलाके में चीन की माउंटेन ब्रिगेड लम्बे समय से तैनात है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के अनुसार ये ब्रिगेड युद्ध के अग्रिम मोर्चा पर लड़ाई करती है।

चीनी सेना साझा हमला करने का अभ्यास किया

चीनी सेना के ड्रिल के दौरान अलग-अलग सैन्य इकाइयों को युद्ध की स्थिति में एक साथ एक जुट होकर साझा हमला करने का अभ्यास किया गया। इस ड्रिल में एंटी-टैंक ग्रेनेट और मिसाइल का भी प्रयोग किया गया। चीन की आधिकारिक एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार इस सैन्य अभ्यास के दौरान चीनी सैनिकों ने अत्याधुनिक लाइट वेट टैंकों का प्रयोग किया।

भारतीय सेना ने छह जून को चीनी सेना को डोकलाम इलाके में सड़क निर्माण से रोका था

बता दें कि छह जून को चीनी सेना ने सिक्किम स्थिति भारतीय इलाके में बने बंकर को नष्ट कर दिया था। वहीं भारतीय सैनिकों ने मानव श्रृंखला बनाकर चीन को डोकलाम इलाके में सड़क निर्माण से रोका। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन और भारत ने सिक्किम इलाके में अतिरिक्त सैनिक तैनात कर दिए हैं। चीनी मीडिया में भारत को 1962 के युद्ध का सबक याद दिलाया गया तो भारतीय रक्षा मंत्री अरुण जेटली ने जवाब में कहा कि भारत अब 1962 वाला नहीं है।

हिन्द महासागर और अदन की खाड़ी में भी चीनी नौसेना ने भारत से चार गुना ज्यादा युद्धपोत तैनात कर रखे हैं। वहीं चीन ने जिबूती में देश से बाहर अपना पहला नौसैनिक अड्डा बनाया है। भारत ने 10 जुलाई से अमेरिका और जापान के साथ मिलकर बंगाल की खाड़ी मे एक संयुक्त सैन्य अभ्यास किया। अमेरिका ने कहा कि ये अभ्यास चीन के लिए संकेत है।

गोपाल कृष्ण को लेकर कांग्रेस पर बरसी शिवसेना

जहां सभी सांसद और विधायक राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोट कर रही है, वही उपराष्ट्रपति चुनाव में गोपाल कृष्ण गांधी को यूपीए उम्मीदवार बनाए जाने पर शिवसेना ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और गोपाल कृष्ण गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने गोपाल कृष्ण को उम्मीदवार बनाकर संकीर्ण सोच दिखाई है। इससे पहले सोनिया गांधी ने चुनाव में संकीर्ण और सांप्रदायिक सोच के खिलाफ वोट करने की अपील की थी। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि गोपाल कृष्ण गांधी ने 1993 के मुंबई धमाकों के दोषी याकूब की फांसी रुकवाने की कोशिश की है और कांग्रेस की ओर से उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाना विपक्ष की नैरो माइंड सोच है। राउत ने कहा कि गोपाल कृष्ण गांधी ने मुंबई में 1993 में हुए धमाके के दोषी याकूब

मेमन की फांसी का विरोध किया था। ऐसे याकूब की फांसी रोकने के लिए गोपाल गांधी ने पूरी ताकत लगा दी थी और राष्ट्रपति को भी लेटर लिखा था और देश के सामने कहा था कि उनकी फांसी रुकनी चाहिए। ऐसे में इस व्यक्ति के उम्मीदवार बनाना सोनिया जी का नैरो माइंड है या बड़ा माइंड है। राउत ने कहा, सोनिया गांधी को समझना चाहिए की देश भावना के विरुद्ध गोपाल गांधी ने याकूब मेमन को बचाने के लिए एक मुहिम चलाई थी। ऐसे मैं अगर आप गोपाल गांधी को उम्मीदवार बनाते हैं तो हमें आपके दिमाग की जांच करनी पड़ेगी।

शशिकला के VIP ट्रीटमेंट पर खुलासा करने वाली DIG रूपा का ट्रांसफर

बेंगलुरु की जेल में शशिकला को मिल रहे शकढ ट्रीटमेंट का खुलासा करने वाली DIG रूपा का ट्रांसफर हो गया है। कर्नाटक सरकार की ओर जारी एक आदेश में साफ कर दिया गया है कि रूपा का ट्रांसफर तत्काल प्रभाव से किया जा रहा है। बता दें कि डीआईजी रूपा को उनके सख्त रवैये के लिए जाना जाता है। रूपा के अलावा जेल डीजी सत्यनारायण राव का भी ट्रांसफर कर दिया गया है। रूपा ने शशिकला के वीआईपी ट्रीटमेंट की रिपोर्ट सत्यनारायण राव को ही सौंपी थी। रूपा के ट्रांसफर पर पूर्व कर्नाटक सीएम कुमारस्वामी ने कहा कि ये काफी चौंकाने वाला फैसला है, लगता है कि सरकार कुछ छुपा रही है।

आपको बता दें कि हाल ही में खुलासा हुआ था कि बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में बंद एआईएडीएमके प्रमुख शशिकला को वीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। खबरों के अनुसार शशिकला के लिए जेल में एक अलग किचन की व्यवस्था की गई है। डीआईजी रूपा ने अपने बॉस को दी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि शशिकला को खास सुविधाएं मिल

रही हैं, इसमें खाना बनाने के लिए स्पेशल किचन भी शामिल है। रूपा ने जेल के डीजीपी एचएसएन राव को पत्र लिखा था। जिसमे उन्होंने बताया था कि शशिकला ने अधिकारियों को रिश्वत के तौर पर दो करोड़ रुपए दिए हैं। यहां तक कि डीआईजी ने डीजीपी को भी इसमें शामिल बताया है।

डीजी सत्यनारायण का कहना है कि यदि रूपा ने जेल के अंदर ऐसा कुछ देखा था तो इसकी चर्चा उन्हें हमसे करनी चाहिए थी। यदि उन्हें लगता है कि मैंने कुछ किया तो मैं किसी भी जांच के लिए तैयार हूं। सत्यनारायण राव ने बताया था कि कर्नाटक प्रिसिजन मैनुएल के रूल 584 के तहत ही शशिकला को छूट दी गई थी। इस रूल के मुताबिक शशिकला अब 15 दिनों में 4 से 6 मुलाकातियों से ही मिल सकेंगी।दरअसल कर्नाटक जेल मैनुएल के मुताबिक विचाराधीन कैदी सप्ताह में दो बार अपने वकीलों या जान पहचान और रिश्तेदारों से मिल सकता है जबकि सजायाफ्ता 15 दिनों में 2 बार।

शशिकला को मार्च में चुनाव आयोग के साथ-साथ कोर्ट ऑर्डर्स की फॉर्मेलिटीज पूरी करने के लिए पार्टी और वकीलों से लगातार मिलना पड़ रहा था। इन्हीं हालातों को ध्यान में राखते हुए शायद जेल प्रशासन ने शशिकला को थोड़ी छूट दी थी। विवाद तब उठ खड़ा हुआ था जब एक आरटीआई कार्यकर्ता को आरटीआई से जानकारी मिली कि एक महीने में शशिकला से 14 मौकों पर 28 लोगों ने बेंगलुरु सेंट्रल जेल में मुलाकात की। आरटीआई कार्यकर्ता नरसिम्हा मूर्ति ने इस पर आपत्ति जताते हुए इसे जेल मैनुएल का उल्लंघन बताया था। इस आरटीआई कार्यकर्ता के विरोध के बाद परपनाग्रहारा यानी बेंगलुरु सेंट्रल जेल प्रशासन ने सफाई दी।

सोशल मीडिया के कुछ वीडियो में की गई है छेड़छाड़ : लेफ्टिनेंट जनरल

लेफ्टिनेंट जनरल जेएस साधू ने आज यह जानकारी देते हुए कहा कि जम्मू & कश्मीर के कश्मीरी युवाओं के साथ कथित अभद्र व्यवहार से जुड़े वीडियो की जांच के बाद पेशेवर आचरण नहीं करने वाले अपने कुछ सैनिकों के खिलाफ कार्रवाई की है।

जम्मू & कश्मीर की राजधानी श्रीनगर स्थित 15 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग साधू ने बताया कि Social Media पर चल रहे कुछ Video में कुछ हद तक छेड़छाड़ की गई है और वह पूरी कहानी बयां नहीं करती है।

जनरल ऑफिसर कमांडिंग साधू ये भी कहा कि J & K पुलिस के मुताबिक दक्षिण कश्मीर क्षेत्र में 100-110 आतंकवादी सक्रिय हैं। Social Media पर प्रसारित हो रहे कई Video के आधार पर कार्रवाई के बारे में पूछा गया वही Video में सेना के जवानों को युवाओं की कथित तौर पर पिटाई करते हुए और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए देखा जा सकता है।

जनरल ऑफिसर कमांडिंग साधू के कहना है कि Social Media पर कुछ Video प्रसारित हो रहे हैं और हम लोग उसकी जांच कर रहे हैं। जहां भी हमें सैनिकों के खिलाफ ठोस सबूत मिले हैं। हमने कार्रवाई की है। इनमें से कुछ Video बहुत पुराने हैं और उनमें से कुछ Video के साथ एक हद तक छेड़छाड़ की गई है और यह पूरी कहानी बयां नहीं करती है।

रतन टाटा को जर्मनी में प्लेट में खाना छोड़ना पड़ा मंहगा

दुनिया के अमीर बिजनेसमैन में से एक हैं रतन टाटा। रतन टाटा ने अपने एकाउंट से ट्वीट करते हुए हमसे एक अच्छी बात शेयर की है। रतन टाटा के ट्वीट के बारे में आज हम बात करेंगे। रतन टाटा ने कहा है कि पैसा तो आपका है पर जो संसाधन हैं वह समाज के हैं। उन्होंने कहा है कि जर्मनी एक औद्योगिक देश है। भारत के या फिर अन्य किसी देश के लोग यही सोचते होंगे की वहां के लोग बड़ी शान से रहते होंगे। रतन टाटा ने कहा कि वह हैम्बर्ग पहुंचे तो वह मेरे कलीग्स एक रेस्टोरेंट में गए। उन्होंने कहा कि वहां पर कई सारी टेबल खाली थी। एक टेबल पर कपल बैठा था जो कि यंग थे और वह खाना खा रहे थे। उस टेबल पर दो ही डिश थीं और दो बीयर की बोतल थीं। मैं सोच रहा था कि क्या ऐसा सिंपल खाना रोमांटिक हो सकता है, और क्या वो लड़की इस कंजूस लड़के को छोड़ देगी। एक और दूसरी टेबल पर कुछ बूढ़ी औरतें भी थीं। जब कोई डिश सर्व की जाती तो वेटर सभी लोगों की प्लेट में खाना निकाल देता, और वो औरतें प्लेट में मौजूद खाने को पूरी तरह से खतम कर देतीं।चूंकि

हम भूखे थे तो हमारे लोकल कलीग ने हमारे लिए काफी कुछ आर्डर कर दिया।

जब हमने खाना खतम किया तो भी लगभग एक-तिहाई खाना टेबल पर बचा हुआ था। जब हम होटल से निकल रहे थे, तो उन बूढी औरतों ने हमसे अंग्रेजी में बात की, हम समझ गए कि वे हमारे इतना अधिक खाना बर्बाद करने से नाराज थीं।हमने अपने खाने के पैसे चुका दिए हैं, हम कितना खाना छोड़ते हैं इससे आपका कोई लेना-देना नहीं है। मेरा कलीग उन बूढी औरतों से बोला। वे औरतें बहुत गुस्से में आ गयीं। उनमे से एक ने तुरंत अपना फोन निकला और किसी को कॉल की।

कुछ देर बाद,सामाजिक सुरक्षा संगठन का कोई आदमी अपनी यूनिफार्म में पहुंचा। मामला समझने के बाद उसने हमारे ऊपर 50 यूरो का जुमार्ना लगा दिया। हम चुप थे तथा ऑफिसर हमसे कठोर आवाज में बोला, की उतना ही ऑर्डर कीजिए जितना आप खा सको, पैसा आपका है लेकिन संसाधन सोसाइटी के हैं। दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो संसाधनों की कमी का सामना कर रहे हैं। आपके पास संसाधनों को बर्वाद करने का कोई कारण नहीं है। इस धनी देश के लोगों की सोच हम सभी को लज्जित करती है। हमे सचमुच इस पर सोचना चाहिए। हम ऐसे देश से हैं जो संसाधनों में बहुत समृद्ध नहीं है। शर्मिंदगी से बचने के लिए हम बहुत अधिक मात्रा में आर्डर कर देते हैं और दूसरों को ट्रीट देने में बहुत सा खाना बर्बाद कर देते हैं। दोस्तों, कोई देश महान तब बनता है जब उसके नागरिक महान बनते हैं और महान बनना सिर्फ बड़ी-बड़ी उपलब्धि हासिल करना नही है।महान बनना हर वो छोटे-छोटे काम करना है जिससे देश मजबूत बनता है आगे बढ़ता है। खाने की बबार्दी रोकना, पानी को बर्बाद होने से बचाना, बिजली को बेकार ना करना ये छोटे-छोटे कदम हैं जो देश को मजबूत बनाते हैं।हमें इस बात से यह सीख मिलती है कि हमें अपनी खराब आदतों को बदलने के बारे में गम्भीरता से सोचना चाहिए।

पाकिस्तान सेना चीफ जाधव मामले की करेंगे समीक्षा

पाक की सैन्य अदालत द्वारा कथित जासूसी के जुर्म में मौत की सजा का सामना कर रहे भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त हो चुके कुलभूषण जाधव की पाक की एक सैन्य अदालत ने दया याचिका खारिज कर दी थी।

आपको बता दे कि पाक ने भारतीय मूल के कुलभूषण जाधव को पाक द्वारा पिछले वर्ष मार्च में अरेस्ट किया था और पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने कुलभूषण जाधव को जासूसी करने तथा विध्वंसक गतिविधियों में लिप्त होने का दोषी करार दिया था वही इस पर भारत का कहना है कि भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त हो चुके कुलभूषण जाधव को ईरान से अगवा किया गया जहां वह व्यापार कर रहे थे।

शनिवार को पाकिस्तानी आर्मी के टीर्ं द्दल्लॅह्य करढफह्न ने का कहना है कि अब पाकिस्तानी आर्मी के चीफ कमर जावेद बाजवा भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त हो चुके कुलभूषण जाधव के खिलाफ सबूतों का विश्लेषण कर रहे हैं और उनकी दया याचिका पर मेरिट के आधार पर फैसला करेंगे। पाकिस्तान की सैन्य अदालत द्वारा दया याचिका खारिज होने के बाद जाधव ने पाक आर्मी चीफ के यहां दया याचिका दाखिल की है।

हालांकि पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा कुलभूषण जाधव को मौत की सजा सुनाए जाने के खिलाफ भारत ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में अपील की है। बीते 18 मई को कउख ने फिलहाल कुलभूषण जाधव की फांसी पर रोक लगा रखी है। कउख ने भारत को जाधव मामले में और दस्तावेज जमा करने के लिए 13 सितंबर तक का वक्त दिया है। जबकि पाक को 13 दिसंबर तक अपना पक्ष रखना है।

आपको बता दे कि भारत पाकिस्तान से कुलभूषण जाधव तक राजनयिक पहुंच की 16 बार मांग कर चुका है लेकिन हर बार पाकिस्तान ने इस मांग को ठुकराया है। और अपने बेटे को देखने के लिए पाकिस्तान आने के वास्ते उनकी मां का वीजा आवेदन मंजूरी के लिए प्रशासन के समक्ष लंबित है। भारत का कहना है कि कुलभूषण जाधव तक राजनयिक पहुंच देने और उनकी मां के वीजा आवेदन पर पाकिस्तान के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भारत ने यह बात ऐसे टाइम की जब पाकिस्तानी मीडिया के सुर्खियों में थीं कि इस्लामाबाद भारतीय मूल के कुलभूषण जाधव की मां को उनसे मिलने की अनुमति पर विचार कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले का कहना था कि कुलभूषण जाधव मामला अब अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में है और भारत अपनी दलीलें देने के लिए 13 सितंबर की समयावधि का पालन कर रहा है।

पिछले पंद्रह दिनों में स्वाईन फ्लू से पांच लोगों की मौत

मुंबई, शहर में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या लगातार बढती जा रही है। पिछले पंद्रह दिनों में स्वाइन फ्लू से ग्रसित 250 नए मरीज पाये गए है । जबकि इसी कालावधि में इस बीमारी के चपेट में आने से मुंबई रहिवासी 5 लोगों की मौत हुई है , जिसमे एक 4 वर्षीय बच्चे का भी समावेश है। वहीँ लेप्टो से भी 2 लोगों की मौत होने के साथ ही मलेरिया,गेस्ट्रो , डेंगू आदि मानसूनी बीमारियों के मरीजों में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। गौरतलब है कि मानसून के दौरान बड़े प्रमाण में मानसूनी बीमारियां फैलती है । मुंबई में 1 से 15 जुलाई तक इन पंद्रह दिनों में स्वाईन फ्लू के लगभग 250 मरीज पाए गए है जबकि इस कालावधि में मुंबई रहिवासी 5 लोगों की मौत हो गयी है। जबकि पिछले वर्ष इस कालावधि में स्वाईन फ्लू से एक की मौत हुई थी। वहीँ लेप्टो से पिछले पंद्रह दिनों में 2 लोगों की मौत होने के साथ ही मरीजों की संख्या 23 तक पहुंच गयी है। इसी के साथ अन्य मानसूनी बीमारियों डेंगू, मलेरिया , गेस्ट्रो, हेपेटाइटिस के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। पिछले 15 दिनों में डेंगू के 28 मरीज, मलेरिया के 309 मरीज, गेस्ट्रो के 544 मरीज, हेपेटाइटिस के 88 मरीज पाए गए है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बच्चे की आंख में घुसी कील

पांच अस्पतालों ने नहीं किया भर्ती

कोलकाता। एक लड़के की एक आंखों में कील घुस गई थी और इसके दर्द से वह 10 घंटे तक बिलखता रहा। कथिततौर पर शनिवार को शहर के पांच सरकारी अस्पतालों ने उसका इलाज करने के लिए भर्ती नहीं किया। लड़का दक्षिण 24 परगना के जिबंतला में करीम मोहल्ला का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि शनिवार को करीब 12 बजे अपने घर के सामने बन रही इमारत में आठ साल का लड़का खेल रहा था। तभी दुर्घटनावश उसकी बाईं आंख में कील घुस गई थी। उसकी आंख से तेजी से खून निकलता देखकर परिजन उसे जिले में कैनिंग सब-डिविजन अस्पताल में ले गए। वहां से उसे कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज और पार्क सर्कस में अस्पताल भेजा गया था। मगर, वहां भी बच्चे को भर्ती नहीं किया गया। वहां से करीम को एसएसकेएम अस्पताल में भेजा गया, जो दक्षिण कोलकाता में एकमात्र सरकारी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल था। मगर, उसे वहां भी डॉक्टरों ने भर्ती नहीं किया। बाद में उसे बंगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी में भेजा गया। हालांकि, उसे यहां भी राहत नहीं मिली और उसे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थेमोलॉजी में भेज दिया गया। यहा से उसे नील रतन सिरकार मेडिकल कॉलेज

एंड हॉस्पिटल में भेजा गया था, जिसने पहले तो बच्चे को भर्ती करने से मना कर दिया था। मगर, करीम के परिवार की ओर से बार-बार मदद की गुहार लगाने के बाद एनआरएसएमसीएच के अधिकारियों ने रात में लड़के को भर्ती किया। डॉक्टरों ने करीम का 3 डी सीटी स्कैन किया, ताकि पता लगाया जा सके कि उसके मस्तिष्क को तो नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले किए गए सीटी स्कैन में बताया गया था कि उसके मस्तिष्क के फ्रंट लोब पर चोटों के निशान थे। कील को उसकी आंख से निकाल दिया गया है और अब करीम की हालत स्थिर है, लेकिन चिकित्सक सुनिश्चित नहीं हैं कि उसकी नजर वापस आएगी या नहीं। बच्चे को अस्पताल में भर्ती नहीं करने की खबर जैसे ही सरकार तक पहुंची, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मामले पर हस्तक्षेप किया और चिंता व्यक्त की। मुख्यमंत्री के कार्यालय ने करीम के परिवार और अस्पताल के अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए एनआरएसएमसीएज में एनजीओ अधिकारियों की एक टीम भेजी है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य स्वास्थ्य विभाग ने पांच सरकारी अस्पतालों द्वारा की गई लापरवाही की जांच करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि ममता बनर्जी स्वास्थ्य मंत्री भी हैं। एनआरएसएमसीके के उपाधीक्षक डॉ. द्विपायन बिस्वास ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि मीडिया में खबर आने के बाद उन्हें इस मामले की जानकारी हुई। तब मैंने पूछताछ की तो पता चला कि डॉक्टर पहले से ही बच्चे का इलाज कर रहे थे।

पिज्जा ब्वॉय ने कस्टमर पर किया जानलेवा हमला

चैन्नई। भारत विरोधाभासों का देश है। एक तरफ तो यहां की तमिल फिल्म नानबन में दिखाया जाता है कि पिज्जा एक एंबुलेंस से भी तेज गति से डिलीवर होता है लेकिन हकीकत में इसी देश में एक पिज्जा की डिलीवरी लेट करना एक लड़के को महंगा पड़ जाता है। पुलिस के मुताबिक दिनेश बाबू नाम के बीस वर्षीय छात्र को उसके 47 वर्षीय पिता के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर एक पिज्जा कस्टमर को पीटने का आरोप है। अस्वाथामन ने एक मशहूर आउटलेट से अपने घर के लिए पिज्जा आर्डर किया था। उन्हें उम्मीद थी कि गर्मागर्म पिज्जा उन्हें समय पर मिल जाएगा लेकिन जब डिलीवरी ब्वॉय लेट हो गया तो अस्वाथामन को गुस्सा आ गया। उसने पिज्जा लेने से इंकार कर दिया और दिनेश को लौटा दिया।

नीतीश के समर्थन में अमित शाह का बड़ा बयान

...और बढ़ीं महागठबंधन की मुश्किलें

पटना। बिहार में सत्ताधारी महागठबंधन के घटक दलों राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का कलह चरम पर है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के एक बयान से यहां राजनीति और गरमा सकती है। अमित शाह ने जदयू के भाजपा के साथ गठबंधन की सरकार को याद करते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को सराहा है।

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर लिखी किताब (श्यामा प्रसाद मुखर्जी- हिज विजन ऑफ एजुकेशन) का दिल्ली में लोकार्पण करने के दौरान अमित शाह ने नीतीश कुमार और भाजपा-जदयू सरकार के कार्यकाल की जमकर तारीफ की।

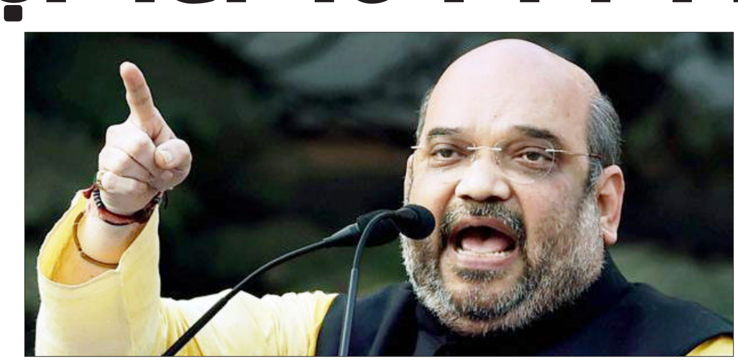

इसका असर बिहार की राजनीति पर पड़ना तय माना जा रहा है। नीतीश को लेकर अमित शाह के इस बयान पर बिहार में राजनीति और गरमाने की आशंका है। इसे नीतीश के समर्थन में भाजपा के स्टैंड के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नित्यानंद राय सहित बिहार भाजपा के कई नेता भी सीएम नीतीश के भ्रष्टाचार के खिलाफ एक्शन का समर्थन कर चुके हैं। विदित हो कि बीते दिनों राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के 12 ठिकानों पर सीबीआइ ने छापेमारी की थी। इस सिलसिले में सीबीआइ ने लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी तथा पुत्र तेजस्वी यादव सहित कइयों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की।

तेजस्वी बिहार के डिप्टी सीएम हैं। डिप्टी सीएम तेजस्वी के खिलाफ भ्रष्टाचार की एफआइआर के बाद भाजपा उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उनके इस्तीफे पर अड़े बताए जा रहे हैं। उधर, राजद ने साफ कर दिया है कि तेजस्वी इस्तीफा नहीं देंगे। इस मुद्दे पर महागठबंधन के दोनों घटक दलों में तकरार चरम पर पहुंच चुका है। बहरहाल, महागठबंधन कह तकरार के इस नाजुक दौर में अमित शाह का बयान आग को और भड़का दे तो आश्चर्य नहीं।

मोबाइल की तर्ज पर मिलेंगे बिजली कनेक्शन: श्रीकांत शर्मा

लखनऊ। प्रदेश में मोबाइल कनेक्शन की तरह ही आसानी से बिजली कनेक्शन मिलेंगे। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने कहा कि हाल ही में शुरू की गई सुगम संयोजन योजना से बिजली कनेक्शन पाना बेहद आसान हो गया है। ऊर्जा मंत्री ने महकमे से जुड़े कई अहम सवालों के जवाब दिए। यह पूछे जाने पर कि सरकार के दावे के अनुरूप आम लोगों को बिजली की पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल पा रही है, उन्होंने कहा कि हमें खराब बुनियादी ढांचा विरासत में मिला है। जिला मुख्यालयों को 24 घंटे, तहसील में 20 घंटे और गांवों में 18 घंटे बिना कटौती के सप्लाई के दावे के अनुरूप हम बिजली दे तो रहे हैं लेकिन, कहीं तार टूट पड़े हैं,

तो कहीं खंभे जर्जर हैं। फिर भी कोशिश होती है कि लोकल फॉल्ट को जल्द ठीक कर बिजली सप्लाई चालू कर दी जाए। जर्जर बुनियादी ढांचे में सुधार के सवाल पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बरसात का मौसम और उमस खत्म होते ही जर्जर तार, खंभे बदलने का काम शुरू कर दिया जाएगा। अभी यह काम इसलिए नहीं शुरू कर रहे हैं कि इसमें शटडाउन यानी बिजली सप्लाई रोकनी पड़ेगी, जिससे आम लोगों को परेशानी होगी। बिजली कनेक्शन हर घर का अधिकार है। अब संपत्ति का कोई भी अधिकार पत्र न होने पर भी महज आधार कार्ड या वोटर आइडी पर बिजली कनेक्शन मिलेगा। पांच किलोवाट तक के कनेक्शन के लिए विभाग कोई एस्टीमेट भी नहीं देगा। महज तीन कनेक्शन के एक साथ आवेदन आने पर भी विभाग के खर्च पर बिजली पहुंचाई जाएगी। कनेक्शन भी गांव में महज 80 व शहर में 155 रुपये के भुगतान पर 16 से 18 आसान किश्तों में लिए जा सकते हैं।

धोखा खाए लोगों के घरों का अंधेरा भी होगा दूर : *नगर निगम या लोकल अथॉरिटी के दायरे के बाहर की कॉलोनियों के शामिल न होने के सवाल पर श्रीकांत शर्मा ने कहा कि ऐसी कॉलोनियों में रह रहे लोग बिल्डरों की धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं, बिल्डर उन्हें बीच भंवर में छोड़ गए हैं, उनके घरों का भी अंधेरा दूर करने की योजना पर काम हो रहा है।*

प्रेम में परिवार बना दीवार तो पुलिस ने करवाई दोनों की शादी

मऊ। जब एक लड़के और लड़की में प्यार हुआ तो समाज की दुहाई देते हुए परिवार वाले रोड़ा बन गए। परिणाम यह निकला कि दोनों घर से फरार हो गए। मामला पुलिस तक पहुंचा। दोनों को गिरफ्तार भी कर लिया गया मगर, पेच यह फंसा कि दोनों ही बालिग थे। अंततः पुलिस की मौजूदगी में कोतवाली में दोनों परिवारों के बीच लंबी पंचायत चली, सहमति बनी, समझौता हुआ ...और वहीं दोनों की शादी कर दी गई। मुबारकपुर थाना अंतर्गत आदर्श ग्राम ओझौली निवासी रामचंद्र के बेटे आदर्श का इसी क्षेत्र के तुलसीपुर कोढ़हवा निवासी बासुदेव की पुत्री रेखा से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन परिवारीजन तैयार नहीं थे। तमाम अड़चनों को सामने देख अंततः दोनों घर से फरार हो गये। दोनों परिवारों में हंगामा मच गया, मामला पुलिस तक भी जा पहुंचा। एक सप्ताह बाद क्षेत्र से ही दोनों गिरफ्तार भी कर लिए गए। हालांकि दोनों बालिग थे और शादी करने के लिए अड़े थे लिहाजा मोहम्मदाबाद गोहना कोतवाली प्रभारी डीके श्रीवास्तव ने दोनों के परिवार वालों को कोतवाली बुलाया। यहां घंटों पंचायत के बाद दोनों परिवारों ने जब पुलिस को लिखकर दे दिया कि इस शादी से हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है।

लड़का है या फौलाद, 44 सेकेंड में 770 टाइल्स फोड़ कर बनाया रिकॉर्ड

अभिनेता सनी देओल का 'ढाई किलो का हाथ' वाला डॉयलॉग बहुत मशहूर हुआ। आज हम आपको रीयल लाइफ के ऐसे फौलादी लड़के के बारे में बताने जा रहे हैं जिसने हाल ही में दसवीं की परीक्षा पास की है। नागपुर में रहने वाले मार्शल आट्र्स के महारथी कार्तिक जैसवाल ने महज 44 सेकेंड में 770 टाइल्स फोड़ कर नया इतिहास रच डाला। कार्तिक के इस रिकॉर्ड को एशिया बुक ऑफ रिकाड्र्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया जाएगा। तेजस्वनी विद्या मंदिर के छात्र कार्तिक ने रविवार को हनुमान नगर में संत रविदास सांस्कृतिक

सभागृह में ये रिकॉर्ड कायम किया। राष्ट्रीय कालचुरी एकता महासंघ, महाराष्ट्र ने बोर्ड परीक्षाओं में 80 फीसदी से ज्यादा नंबर हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए यहां कार्यक्रम का आयोजन किया। इसी कार्यक्रम में कार्तिक ने अपने हुनर से सभी को हैरान कर दिया। कार्तिक ने मार्शल आट्र्स का प्रशिक्षण मजहर खान से लिया है। कार्तिक ने कहा, 'मैं कई साल से गहन प्रशिक्षण ले रहा हूं। इस दौरान कई बार बाजू की हड्डी तुड़वा चुका हूं। वक्त के साथ मेरी इच्छाशक्ति बढ़ गई और मैंने ठान ली कि रिकॉर्ड को तोड़ कर ही दम लूंगा।' एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के लिए 400 तो इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रविष्टि के लिए 300 टाइल्स फोड़ने की जरूरत थी, लेकिन कार्तिक ने 770 टाइल्स सिर्फ 44 सेकंड में फोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया।

67 वर्षीय महिला की आंख में फंसे 27 कांटेक्ट लैंस, डॉक्टर हैरान

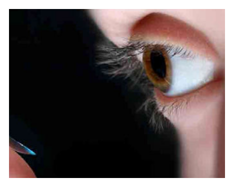

67 वर्षीय महिला की आंख में फंसे 27 कांटैक्ट लैंस, डॉक्टर हैरान67 वर्षीय महिला की आंख में फंसे 27 कांटैक्ट लैंस, डॉक्टर हैरानइंसान के शरीर में आंखे बहुत ही सेंसटवि होती है। उनमें जरा सा कुछ भी चला जाता है तो परेशानी होती है, लेकिन ब्रिटेन में एक महिला के आंख में 27 कांटैक्ट लैंस फंसे पाए गए हैं। जी हां इन दनिों ब्रिटेन की एक 67 वर्षीय महिला काफी चर्चा में है। महलिा की आंखों की हाल ही में मोतियाबिंद की सर्जरी होनी थी। ऐसे में जब वह जांच कराने के लिए बर्मिंघम के पास सोलीहुल अस्पताल गई। यहां पर प्रशिक्षु नेत्र विशेषज्ञ रूपल मोरजारिया ने महिला की आंख का चेकअप कयिा। इस दौरान डॉक्टर उसकी आंख की अंदर की हालत देखकर हैरान हो गए क्योंकि उसकी आंख में अंदर कांटैक्ट लैंस फंसे थे। जिसमें पहले 17 और बाद में करीब 10 कांटैक्ट लैंस और जांच में मिले। इसके बाद डॉक्टर ने महिला की आंख की मोतियाबिंद की सर्जरी फलिहाल के लिए रोक दी।

यहां लड़कियों की नहीं, लड़कों की उठती हैं डोली

भारत को कृषि प्रधान देश के साथ-साथ पुरूष प्रधान देश भी कहा जाता है। आज भी कई देश ऐसे है जहां पुरूषों का बोलबाला है और महिलाओं की नहीं सुनी जाती। इतना ही नहीं, हमारी परंपराएं भी महिलाएं को ध्यान में रख बनाई गई है तभी तो शादी के बाद महिला को अपना घर छोड़कर पति के घर जाना पड़ता है। हम आपको एक ऐसी जनजाति के बारे में बताने जा रहे है जहां लड़कों की नहीं बल्कि लड़कियां का राज चलता है। भारत में मौजूद मेघालय, असम तथा बांग्लादेश के कुछ क्षेत्रों में खासी जनजाति के लोग रहते है। इस जनजाति में लड़कों को ज्यादा एहसियत नहीं दी जाती। यहां लड़कों के पैदा होने पर इतनी खुशी नहीं मनाई जाती जितनी लड़कियों के जन्म देने पर होती है। इसके अलावा यहां के परंपराएं बाकी

हमारी परंपराओं से काफी विपरीत है। यहां शादी करके लड़कियों के बजाएं लड़के विदा होते है। इतना ही नहीं परिवार के सभी फैसले लड़कियां ही ले सकती है। आपको जानकारी होगी की बाजार और दुकानों पर भी महिलाएं ही काम करती हैं और बच्चों का उपनाम भी मां के नाम पर होता है। इस समुदाय में लड़कियां बचपन में जानवरों के अंगों से खेलती हैं और उनका इस्तेमाल आभूषण के रूप में भी करती हैं। इस जनजाति में घर की सबसे छोटी बेटी की विरासत का सबसे बड़ा हिस्सा मिलता है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
व्यस्तता रहेगी। आर्थिक उन्नति होगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सम्मान मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रमाद न करें।

धनु
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

वृष
अपव्यय होगा। तनाव रहेगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

कन्या
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। झंझटों में न पड़ें। मेहनत अधिक होगी।

मकर
बुरी सूचना मिल सकती है। तनाव रहेगा। विवाद से बचें। अस्वस्थता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। धैर्य रखें।

मिथुन
रुका हुआ धन मिल सकता है। उन्नति होगी। यात्रा लाभप्रद रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। धनार्जन होगा।

तुला
धन प्राप्ति सुगम होगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। लाभ होगा।

कुंभ
प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लाभ होगा।

कर्क
योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन होगा। लेन-देन में सावधानी रखें।

वृश्चिक
संपत्ति की खरीद-फरोख्त लाभप्रद रहेगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। चिंता रहेगी।

मीन
अपरिचित व्यक्ति पर अधिक विश्वास ठीक नहीं। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी।

टेक कंपनी पिता बनने पर देगी 3 महीने की छुट्टी

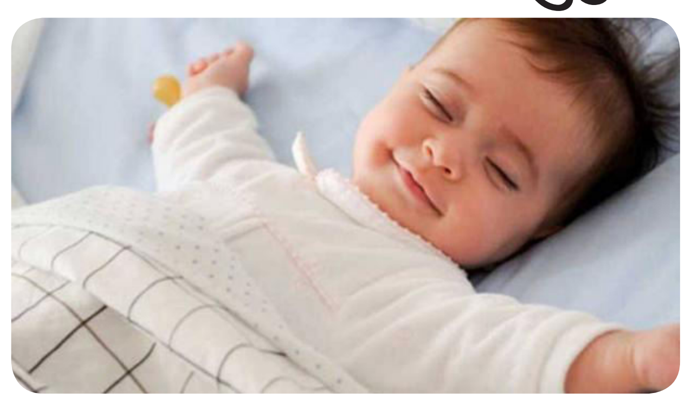

कर्मचारियों को बेहतर लाइफ देने की कोशिश के तहत मुंबई में काम कर रही एक कंपनी ने पुरुषों को तीन महीने की पैटरनिटी लीव देने का ऐलान किया है। सेल्सफोर्स नाम की टेक कंपनी फिलहाल सबसे अधिक पैटरनिटी लीव देने वाली कंपनी भी बन गई है।

कुछ वक्त पहले माइक्रोसॉफ्ट ने पैटरनिटी लीव बढ़ाकर 6 हफ्ते दर दी थी। इसी साल उ४ेल्ल२ कल्र्ल्रं ने भी अपनी पैटरनिटी लीव एक महीने की थी।

हालांकि, अब भी ज्यादातर कंपनियां 10 दिन से दो हफ्ते तक ही पैटरनिटी लीव ऑफर करती है। सेल्सफोर्स के डायरेक्टर ज्ञानेश कुमार ने कहा कि कंपनी की नई पॉलिसी से स्किल्ड लोगों को हायर करने में मदद मिलेगी। फिलहाल कंपनी बेहतर लोगों को अपने साथ काम करने के लिए तलाश रही है। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि पेड पैटरनिटी लीव कर्मचारियों के लिए सही चीज है।

कई बार पैरेंट्स को अनपेड फैमिली लीव लेना पड़ता है। इसकी वजह से उनकी वर्क-लाइफ में दिक्कतें भी आती हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि बच्चे होने के बाद काम और जिंदगी के बीच बैलेंस करने में पुरुष और महिला दोनों को ही दिक्कतें आती हैं। ऐसे में छुट्टियां उनकी काफी मदद कर सकती हैं। इंटरनेशनल कंपनी सेल्सफोर्स के दुनियाभर में करीब 25 हजार कर्मचारी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खाली पेट पीएं जीरे और गुड़ का पानी, फिर देखें कमाल

बदलते लाइफस्टाइल और बढ़ती उम्र के कारण लोगों को कई छोटी मोटी बीमारियां लगी ही रहती हैं जिसके इलाज के लिए वे कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं लेकिन इससे एक तो पैसे की बर्बादी होती है दूसरा सेहत को भी नुकसान होता है। ऐसे में जीरे और गुड़ को पानी में मिलाकर सेवन करने से काफी फायदा होता है। जीरा और गुड़ हर घर में आसानी से मिल जाता है। इनमें मौजूद कई पोषक तत्व शरीर के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आइए जानिए इसके इस्तेमाल और फायदों के बारे में

गुड़ और जीरे का पानी बनाने का तरीका

इसके लिए 1 बाउल पानी में 1 चम्मच जीरा और 1 चम्मच गुड़ मिलाएं। इसे गैस पर कुछ मिनटों तक उबालें और जब पानी आधा रह जाए तो इसे छान कर एक कप में निकाल लें। हर रोज सुबह खाली पेट इस ड्रिंक का सेवन करने से शरीर को अद्भुत फायदे होते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

यह ड्रिंक शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकालकर इसे पूरी तरह से साफ रखने में मदद करता है और इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।

पेट की समस्याएं

जीरे और गुड़ के पानी का सेवन करने से एसिडिटी और पेट फूलना जैसी कई समस्याएं कम होती है। इसके अलावा रोजाना इस ड्रिंक का सेवन करने से पेट साफ रहता है और कब्ज की परेशानी नहीं रहती।

एनीमिया

इसमें मौजूद आयरन शरीर में खून की कमी को पूरा करता है। रोजाना इस ड्रिंक का सेवन करने से रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है जिससे एनीमिया का खतरा नहीं रहता।

अनियमित पीरियड्स

इस ड्रिंक का सेवन करने से शरीर में हार्मोंस संतुलित रहते हैं जिससे पीरियड्स रैगुलर होते हैं। इसके अलावा जिन महिलाओं को पीरियड्स के दिनों में पेट में दर्द रहता हो, उनके लिए भी यह ड्रिंक काफी फायदेमंद है।

बुखार और सिरदर्द

वायरल बुखार और सिरदर्द की समस्या होने पर जीरे और गुड़ का यह ड्रिंक बहुत फायदेमंद होता है। इससे शरीर का बढ़ा हुआ तापमान कम हो जाता है।

ब्लड कैंसर को न करें नजरअंदाज, जान लें उसके 6 लक्षण

जैसे-जैसे समय बदलता जा रहा है वैसे-वैसे ही लोग कई बीमारियों के शिकार होते जा रहे है जिसमें कैंसर एक गंभीर बीमारी है। वैसे तो कैंसर कई प्रकार के होते है लेकिन ब्लड कैंसर के मरीजों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। अश्चार्य की बात है कि मरीजों को शुरूआत में पता ही नहीं चलता कि वह धीरे-धीरे ब्लड कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का शिकार होते जा रहे है। जब उन्हें पता चलता है तब तक बड़ी देर हो चुकी होती है। इसलिए बहुत जरूरी है ब्लड कैंसर के शुरूआती लक्षणों की पूरी-पूरी जानकारी होना। ताकि समय रहता इसका इलाज शुरू करवाया जा सकें। आइए जानते है ब्लड कैंसर के शुरूआती लक्षण।

1. बुखार

ब्लड कैंसर के शुरूआती लक्षणों में से एक बुखार है। जब शरीर संक्रमण से लड़ रहा होता है तो शरीर का तापमान अधिक हो जाता है। जब ब्लड कैंसर शरीर पर हावी होने लगते है तो शरीर की कोशिकाएं संक्रमण से लड़ने में असमर्थ हो जाती है।

2. ब्लीडिंग

अगर आपके मुंह, नाक से या शौच के दौरान खून निकल रहा है तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल न करें। इसको बारे में सचेत होकर जल्दी से ड़ॉक्टर के पास जाए और पनी सही जांच करवाएं।

3. शरीर पर रैशेज

खून में प्लेटलेट्स की संख्या कम हो जाना भी ब्लड कैंसर का लक्षण है। प्लेटलेट्स की संख्या कम होने के कारण त्वचा के नीचे छोटी रक्त वाहिकाएं टूट जाती हैं जिसकी वजह से शरीर पर नीले या बैगनी कलर के निशान पड़ जाते हैं।

4. सोते समय पसीना

अगर सही मौसम में भी आपको रात को सोते समय खूब पसीना आए तो इसे अनदेखा न करें। यह ब्लड कैंसर का लक्षण है। बेहतर होगा कि समय रहते अपनी जांच करवा लें।

5. थकावट

ब्लैड कैंसर को दौरान शरीर में हीमोग्लोबिन की संख्या तेजी से कम होने लगती है और ऑक्सीजन शरीर के अंगो तक सही मात्रा में नहीं पहुंचती। इस वजह से शरीर के सभी अंग काम करना बंद कर देते है और थकावट महसूस होने लगती है।

6. सीने में दर्द और पैरों की सूजन

अगर आपके पैरों में लगातार सूजन और सीने में जलन रहती है तो तुरंत डॉक्टर के पास जाए क्योंकि यह ब्लड कैंसर का शुरूआती लक्षण

बिना कैमिकल्स के इस तरह करें बालों को नैचुरल डाई

बालों को कलर करने का आजकल काफी ट्रैंड है। कुछ महिलाएं तो बाल सफेद होने पर हेयर डाई का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन कई लड़कियां सिर्फ फैशन के लिए ही बालों को हाइलाइट करवाती हैं। इन कैमिकल युक्त हेयर कलर से बालों को काफी नुकसान होता है और बाल समय से पहले ही सफेद हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें कलर करन के लिए नैचुरल चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

1. हरी मेहंदी

बालों को कलर करने के लिए हरी मेहंदी सबसे पुराना और असरदार तरीका है। इसके लिए 1 कप हीना मेहंदी में 2 कप नींबू का रस मिलाकर घोल बना लें और 4-5 घंटों के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे बालों में लगाएं और 2 घंटों के बाद सिर धो लें। इससे बाल नैचुरल तरीके से हल्के ब्राउन हो जाएंगे। आप चाहे तो इसमें तिल का तेल और करी पत्तों को पीसकर भी डाल सकती हैं।

2. अखरोट के छिलके

बालों को गहरा भूरा रंग देने के लिए अखरोट के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए छिलकों को पीस कर उनका पाउडर बना लें और इसे आधे घंटे के लिए पानी में उबालें। अब इसे छान लें और ठंडा होने के लिए रख दें। इस मिश्रण को बालों में लगाएं और 1 घंटे के बाद सिर धो लें

3. चायपत्ती

1 कप पानी में चायपत्ती डालकर उबालें और फिर इसे छान लें। ठंडा होने पर इस पानी को बालों में अच्छी तरह लगाएं और कुछ देर के बाद धो लें। इससे बालों में नैचुरल रंग तो आएगा ही साथ में बाल मुलायम बनेंगे और चमक भी आएगी।

4. कॉफी

इसके लिए स्ट्रांग कॉफी को पानी में उबाल लें और ठंडा होने पर इसमें 1 चम्मच कंडीशनर डाल कर बालों में लगाएं। 1 घंटे बाद सिर धोने पर बाल गहरे भूरे रंग के हो जाएंगे।

5. चुकंदर और गाजर का रस

बालों को बरगंडी रंग देने के लिए 1 कप चुकंदर और 1 कप गाजर को पीसकर इसका जूस निकाल लें। अब इसे बालों में लगाएं और 1 घंटे के बाद धो लें।

चोटिल मुरली विजय श्रीलंका दौरे से हुए बाहर

शिखर धवन को मिली टीम में जगह

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे के लिए ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हुई है। धवन को चोटिल मुरली विजय के जगह पर टीम में शामिल किया गया है। इस बात की जानकारी बीसीसीआई ने एक ट्वीट के जरिए ये दी है। इससे पहले टीम के चयन में विजय को टीम में शमिल किया गया था, लेकिन चोट के कारण वह दौर पर नहीं जा पाएंगे। विजय को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में कलाई में चोट लग गई थी जो अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। बीसीसीआई ने बयान में कहा, अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने चोटिल मुरली विजय के स्थान पर शिखर धवन को श्रीलंका दौरे के लिए टेस्ट टीम में चुना है। बयान के मुताबिक, विजय को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में कलाई में चोट लगी थी। उन्होंने अपनी दाहिनी कालई में दर्द की बात कही है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम में विजय को आराम करने की सलाह दी है। भारत, श्रीलंका दौर पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। इसके बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज और एक टी-20 मैच खेलेगा।

***टीम:** विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), शिखर धवन, लोकेश राहुल, चेतेश्वर पुजारा, रोहित शर्मा, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, उमेश यादव, हार्दिक पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, अभिनव मुकुंद।*

कभी नहीं सोचा था इतने विम्बलडन खिताब जीतूंगा: फेडरर

लंदन। आठवीं बार विम्बलडन खिताब जीतकर इतिहास रचने वाले रोजर फेडरर ने स्वीकार किया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वो आठ बार विम्बलडन खिताब जीतेंगे और यदि उनसे कोई कहता कि 2017 में वह दो ग्रैंडस्लैम जीतेंगे तो वह इस पर ठहाका लगाते। तीन सप्ताह बाद 36 बरस के होने जा रहे फेडरर ने पीट सम्प्रास का रिकार्ड तोड़कर आठवां विम्बलडन खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में मारिन सिलिच को 6-3, 6-1, 6-4 से मात दी। सोलह साल पहले फेडरर ने सम्प्रास को हराकर विम्बलडन जीता था। अब 19 ग्रैंडस्लैम फेडरर के नाम है जबकि रफेल नडाल उनसे चार खिताब पीछे है। फेडरर ने कहा, पीट को हराने के बाद मैने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इतना कामयाब होऊंगा।

मुझे लगा था कि कभी विम्बलडन फाइनल तक पहुंचूंगा और जीतने का कोई मौका मिलेगा। कभी सोचा नहीं था कि आठ खिताब अपने नाम करूंगा। इसके लिये या तो आप अपार प्रतिभाशाली हों या माता पिता और कोच तीन बरस की उम्र से आपको कोर्ट पर तैयार करने में लग जाये। मैं उन बच्चों में से नहीं था। उन्होंने कहा,मुझे पता था कि मैं एक बार फिर खिताब जीतूंगा पर इस स्तर पर कभी नहीं सोचा था। यदि मुझसे कोई कहता कि मैं इस साल दो ग्रैंडस्लैम जीतूंगा तो मैं हंस देता।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को भारतरत्न के लिए पीएमओ को पत्र

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न देने का अनुरोध किया है। ध्यानचंद को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिलाने की मंत्रालय की यह नई कोशिश है। खेल मंत्री विजय गोयल ने कहा कि उन्होंने इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा है। यह पहली बार नहीं है जब खेल मंत्रालय ने ध्यानचंद के लिए भारत रत्न की मांग की है। जिन्होंने भारत को तीन ओलंपिक (1928, 1932 और 1936) में स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की। 2013 में यूपीए सरकार ने महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बजाय इस महान हॉकी खिलाड़ी को सम्मान के लिए चुना था। हालांकि उसी साल तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ ही घंटों बाद घोषणा की गई कि यह क्रिकेटर इस पुरस्कार को पाने वाला पहला खिलाड़ी होगा। यह पूछने पर कि क्या ध्यानचंद को तेंदुलकर से पहले भारत रत्न मिलना चाहिए था, गोयल ने कहा, 'मैं इस मामले में नहीं पड़ना चाहता और इस तरह के महान

खिलाड़ियों के बारे में टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। आप किसी पुरस्कार से ध्यानचंद की उपलब्धियों को नहीं आंक सकते। वह इससे कहीं बढ़कर हैं।' खेल मंत्री ने कहा, 'जैसा कि मैंने कहा, इस मुद्दे पर अंतिम फैसला प्रधानमंत्री करेंगे। वह चाहते हैं कि भारत खेल ताकत के रूप में उभरे और यही कारण है कि वह खेलों पर काफी जोर दे रहे हैं।' मंत्रालय ने इसी हफ्ते की शुरूआत में प्रधानमंत्री को इस संदर्भ में लिखने का फैसला किया था। ध्यानचंद के बेटे अशोक कुमार और अन्य पूर्व खिलाड़ी लंबे समय से ध्यानचंद को भारत रत्न देने की मांग कर रहे हैं। पिछले साल पूर्व भारतीय कप्तानों अशोक कुमार, अजित पाल सिंह, जफर इकबाल और दिलीप टिर्की उन 100 पूर्व खिलाड़ियों में शामिल थे, जो ध्यानचंद की लगातार अनदेखी करने पर धरने पर बैठे थे। इससे पहले 2011 में भी सरकार ने संसद के 82 सदस्यों का आग्रह स्वीकार नहीं किया था, जिन्होंने इस सम्मान के लिए ध्यानचंद का समर्थन किया था। ध्यानचंद का जन्मदिन (29 अगस्त) राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

रहाणे ने खोला राज

मुंबई। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाकर अजिंक्य रहाणे एक बार फिर सुर्खियों में हैं। रहाणे को चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन उन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर साबित कर दिया कि वे तीनों फॉर्मेट में उपयोगी बल्लेबाज हैं। रहाणे ने वह राज उजागर किया कि किस वजह से विराट कोहली के लिए कप्तानी आसान हो गई है।

खबर के अनुसार रहाणे ने कहा, 'महेंद्रसिंह धोनी का टीम में होना बहुत अच्छी बात है। हम उन्हें टीम में पाकर भाग्यशाली है। उनकी उपस्थिति विराट का काम आसान बना देती है। विराट कई बार उनसे सलाह लेने जाते हैं और धोनी के पास शानदार आइडिया होते हैं। इन दोनों को साथ में काम करते देख अच्छा लगता हैं।' 29 वर्षीय रहाणे ने वेस्टइंडीज दौरे पर अपना सपोर्ट करने के लिए विराट का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, 'विराट ने विंडीज में मुझे कहा कि उन्मुक्त होकर खेलो। उन्होंने मुझ पर पूरा विश्वास जताया और मुझे अपने हिसाब से खेलने की छूट प्रदान की। जब इस तरह कप्तान का समर्थन मिलता है तो खिलाड़ी को इससे ज्यादा क्या चाहिए।'

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कैटरीना ने ऐसे बनाया अपना कैरियर

बॉलीवुड एक्ट्रैस कैटरीना कैफ का कल बर्थडे था। वह 34 साल की हो गई है। 16 जुलाई 1983 को हांगकांग में जन्मीं कैटरीना के बारे में कम ही लोग जानते होंगे कि मुंबई शिफ्ट होने से पहले वे लंदन में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थीं। खुद कैट ने इस बात का खुलासा एक लीडिंग वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में किया था। बता दें कि कैटरीना ने इंटरव्यू के दौरान कहा था, 17 साल की उम्र में मैंने अचानक इंडिया आकर करियर बनाने का फैसला किया। उस वक्त मैं लंदन में इंजीनियरिंग कर रही थी। लेकिन मेरा दिल उसमें नहीं लग रहा था। मैं मॉडलिंग और ग्लैमर इंडस्ट्री को शॉट देना चाहती थी। जब मेरे दिमाग में यह बैठ गया था तो मुंबई आने तक बाकी सब चीजें ब्लर हो गई। नए देश में आने से पहले मुझे किसी तरह का डर नहीं लगा। क्योंकि यह मेरे लिए एडवेंचर्स ट्रिप की तरह था। इसके अलावा, मेरे साथ बड़ी बहन क्रिस्टीन भी थी।

शाहिद कपूर को बोरिंग पति मानती है मीरा राजपूत

आईफा 2017 के इवेंट में शाहिद कपूर को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। जब वे अपनी पत्नी के साथ ग्रीन कार्पेट पर आए तो सभी दर्शकों की नजरें उन दोनों पर ही टिक गई। दोनों लोग एक दूसरे के हाथ में हाथ डाले वहां आये, जिसे देखकर सभी को लगा कि दोनों में बहुत प्यार है और शाहिद दुनिया के सबसे बेहतरीन पतियों में से एक हैं लेकिन खुद शाहिद ने खुलासा किया है कि उन्हें मीरा एक बोरिंग पति मानती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहिद ने कहा कि मीरा मुझे बोरिंग पति मानती हैं। क्योंकि वे लगातार तीन दिन से काम कर रहे हैं। वो मुझसे कहती है कि इतनी दूर क्या वे काम ही करने आए हैं। बातों से तो लगता है कि मीरा चाहती हैं कि शाहिद को काम के अलावा अपनी पत्नी और बेटी को भी समय देना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए शाहिद ने कहा कि मैं यह भी बता दूं कि हमारे पास आईफा के बाद कुछ दिन हैं, जब हम लोग यहां घूमेंगे। यह मीरा का बड़प्पन है कि उन्होंने मीशा का इतने दिन ख्याल रखा और मुझे काम पर ध्यान लगाने में मदद की लेकिन हम आने वाले दिनों में काफी अच्छा वक्त साथ में गुजारने वाले हैं। आपको बता दें कि आईफा 2017 में शाहिद कपूर को फिल्म 'उड़ता पंजाब' के लिए ने बेस्ट एक्टर का मेल अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा शाहिद की आने वाली फिल्म 'पद्मावती' है। इस फिल्म में उनके अलावा दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दिखाई देंगे। इस फिल्म को डायरेक्टर संजय लीला भंसाली डायरेक्ट कर रहे हैं।

बेबी बंप के साथ नजर आई सैफ की बहन

सैफ अली खान की बहन और एक्टर कुणाल खेमू की पत्नी सोहा अली खान जल्द मां बनने वाली हैं। सोहा की हालिया तस्वीरें कैमरे में कैद हुई हैं।सोहा को हाल ही में मुंबई में एक इवेंट में शिरकत करने के दौरान कैमरे में कैद किया गया। इस दौरान सोहा हल्के फ्लॉरी रंग के ड्रैस में नजर आई इसके साथ ही उनका बेबी बंप भी नजर आया जिसमें वह बेहद क्यूट लग रही हैं। सोहा को योग गुरु भरत ठाकुर के साथ 'स्पेक्टर स्पीरिट एंड शेडोज' में नाम के एक इवेंट में तस्वीरों के लिए पोज देती नजर आई। सोहा ने भरत के साथ की इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। सोहा के अलावा इस इवेंट पर बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर और संगीता बिजलानी जैसी शख्सियतें मौजूद थीं।